# अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–196 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 15 नवम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया


## संक्षिप्त समाचार

### दीपों से जगमगाया लखनऊ का इस्कॉन मंदिर,डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने किया शुभारंभ

लखनऊ। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी में स्थित श्री श्री राधा रमण बिहारी (इस्कॉन) मंदिर में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने एक लाख दीपों की श्रंखला के दीप जलाकर शुभारम्भ किया स दीपकों की झिलमिलाती रोशनी में जगमगाते मंदिर को देखने के लिए आस पास के जनपदों के हजारों भक्तो ने भाग लेकर दिव्य आनंद प्राप्त किया। इस मौके पर भक्तों ने एक लाख से अधिक दीपकों को एक साथ प्रज्जवलित कर मन्दिर परिसर और मन्दिर के चारो ओर दीपों की एक श्रँखला निर्मित की गयी । इसके बाद आतिशबाजी हुई। मंगलवार को गोवर्धन पूजा व अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजन किया जायेगा। इस बात की जानकारी देते हुए इस्कॉन मंदिर के अध्यक्ष श्याम प्रभु ने बताया कि महोत्सव में कीर्तन एवं भजन, गोवर्धन–कथा, भोग निवेदन,महाआरती, अन्नकूट परिक्रमा, अन्नकूट महाप्रसाद सहित भंडारा सहित अन्य कार्यक्रम किए जाएंगे।

### हिमालयन क्लब की जीत में अनिल लाल व जमाल काजिम का कमाल

#### द्वितीय अधीर दुबे टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट

लखनऊ। हिमालयन क्लब ने द्वितीय स्वर्गीय अधीर दुबे (पूर्व एमएलसी) टी–20 क्रिकेट टूर्नामेंट में मैन ऑफ द मैच अनिल लाल (नाबाद 53) के अर्धशतक और जमाल काजिम (45) की उम्दा पारी से मंगलवार को खेले गए मैच में ट्रिपल सेवन क्लब को 7 विकेट से हराया। पंडित रास बिहारी तिवारी स्टेडियम पर ट्रिपल सेवन क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवर में 5 विकेट पर 148 रन का स्कोर बनाया। सलामी बल्लेबाज अनिल सिंह ने 41 गेंदों पर 3 चौके व 4 छक्के से 61 रन और गुरबिंदर सिंह ढिल्लो ने 38 गेंदों पर 4 चौके व 1 छक्के से नाबाद 50 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। हिमालयन क्लब से मोहम्मद सैफू व राजेंद्र कुमार को दो–दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में हिमालयन क्लब ने 18.4 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया। अनिल लाल ने 50 गेंदों पर 5 चौके व एक छक्के से नाबाद 53 रन,जमाल काजिम ने 31 गेंदों पर 7 चौके से 45 रन और सोनू स्वरुप ने नाबाद 34 रन का योगदान किया।

## योगी ने लगाया जनता दरबार, सुनीं फरियादियों की फरियाद, जल्द निस्तारण के दिए निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने गोरखपुर दौरे पर है। आज सीएम के दौरे का तीसरा दिन है। हमेशा की तरह आज भी सीएम ने सुबह गोरखनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना की और फिर गौ सेवा की। इसके बाद सीएम योगी ने मंदिर परिसर में जनता दरबार लगाया और दूर–दूर से आए पीड़ितों और फरियादियों की फरियाद सुनी। सीएम योगी के जनता दरबार में दूर–दूर से फरियादी अपनी समस्या लेकर आएं। कोई फरियादी अपनी जमीन का मामला लेकर आया था तो कोई स्वास्थ्य का मामला लेकर आया। सभी फरियादियों ने सीएम को अपने–अपने प्रार्थना पत्र सौंपे। सीएम ने सभी पीड़ितों की समस्या को ध्यान से सुना। प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने आमजन को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जरूरतमंद मरीजों के उच्च स्तरीय इलाज के लिए प्रशासन जल्द से जल्द 'एस्टीमेटश (अनुमान) उपलब्ध कराए। उसके बाद सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। वहीं, मुख्यमंत्री ने अपराध एवं जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर पुलिस अधिकारियों को अपराधियों और भू–माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए।

## ओपी राजभर बोले, मंत्रिमंडल विस्तार के बाद फैसला लेंगे,

### सभी राजनेता दो मुंहे सांप होते हैं, इंडिया गठबंधन के नेता हमारे संपर्क में

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले ही सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओपी राजभर के सुर बदल गए हैं। राजभर का कहना है कि योगी सरकार में कैबिनेट विस्तार के बाद ही आगे का फैसला लेंगे कि हमकिसके साथ हैं। उन्होंने कहा

कि सभी नेता दो मुंहे सांप होते हैं। कब कौन कहां पलट जाएगा पता नहीं है। इंडिया गठबंधन के नेता हमारे संपर्क में बने हुए हैं। ओपी राजभर का यह बयान एक बार फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने आगे मीडिया से बातचीत करते हुए कहा सभी नेता दो मुझे सांप होते हैं। ओमप्रकाश राजभर भी दो मुहा सांप है। कब कौन कहां पलट जाएगा पता नहीं है। ओपी राजभर ने लखनऊ में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अभी कोई भी पार्टी दूध की धुली हुई नहीं है। कब कौन कहां पलट जाएगा पता भी नहीं है। उन्होंने कहा कि 2022 के चुनाव में हमने अपनी ताकत का एहसास समाजवादी पार्टी के साथ भी कर दिया। लोग सोचते हैं कि ओम प्रकाश राजभर कमजोर हैं। राजभर ने कहा कि हम यूपी से चलकर बिहार भी पहुंच गए और वहां पर गया, पटना और कटिहार तक की कार्यक्रम किया। दिसंबर के लास्ट तक हम आठ कार्यक्रम बिहार में करेंगे। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर ओपी राजभर की पार्टी लगातार काम कर रही है। ओपी राजभर ने कहा कि सही समय के साथ ही हम उत्तर प्रदेश में बीजेपी के साथ आए हैं, और अब कैबिनेट का विस्तार हो जाए तो हम बता देंगे, किसके साथ हैं। ओपी राजभर ने कहा दुनिया ताकत को सलाम करती है, कोई कमजोरी को सलाम नहीं करती है। चाहे वह कोई भी पार्टी हो। चाहे जनता दल हो या नीतीश जी हो, अखिलेश जी के साथ रहकर देख लिया कौन है। ओपी राजभर ने कहा कि भाजपा भी साथ में रहकर देख चुकी है और देख रही है। हम 2007 में बसपा के साथ रहे उन्होंने भी हमारी ताकत देखी है। हम मुंबई में गए वहां भी हमारी ताकत उद्धव ठाकरे ने देखी है। इसीलिए कोई भी पार्टी ताकतवर व्यक्ति को सलाम करती है। फोन आ रहे हैं, बातचीत हो रही है। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद हम आगे फैसला लेंगे किसके साथ रहेंगे किसके साथ नहीं। कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात की थी। इसके बाद ओपी राजभर और दारा सिंह चौहान दोनों ही लखनऊ पहुंच गए। माना जा रहा था कि दिवाली से ठीक पहले दोनों मंत्रीपद की शपथ ले सकते हैं। हालांकि, यह विस्तार विजयादशमी के आसपास भी होने के कयास लगाए गए थे, जो कि गलत साबित हुए। राजभर से पूछा गया था कि वह मंत्री कब बनेंगे। इस पर उन्होंने जवाब दिया था कि धैर्य रखिए। विजयादशमी कब है? उनकी बात से अंदाजा लगाया जा रहा था कि दशहरे के आसपास उन्हें योगी सरकार में शामिल किया जा सकता है लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राजभर के इस बयान ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। इसे उनकी दबाव बनाने की रणनीति भी माना जा रहा है। राजभर के एनडीए में शामिल होने के बाद से ही उनके मंत्री बनने की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन लंबे इंतजार के बाद भी वो अभी तक मंत्री नहीं बन सके हैं। जिसके कारण उनके इस बयान के कई सियासी मायने बताए जा रहे हैं। एनडीए में शामिल होने के बाद ओपी राजभर लगातार इंडिया गठबंधन पर हमलावर थे। उन्होंने इंडिया गठबंधन को ठगबंधन बताते हुए कहा था कि कांग्रेस, सपा, बसपा ने मिलकर जनता को लूटा है। राजभर ने आरक्षण के मुद्दे पर कहा था कि तीनों पार्टियों को मिलाकर केंद्र में सरकार थी लेकिन किसी ने भी महिलाओं को 33 परसेंट आरक्षण नहीं दिया। फिलहाल तो राजभर के बदले सुरों को दबाव की राजनीति कहें या फिर उनके फिर से पलटी मारने का संकेत। ये तो आने वाला समय ही निर्धारित करेगा।

## अखिलेश–डिंपल ने डायल–112 की महिला कर्मचारियों को बुलाया घर, संग मनाई दिवाली,खत्म कराया धरना

लखनऊ। सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर लखनऊ में धरना दे रहीं डायल–112 की महिला कर्मचारियों को रविवार की आधी रात को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी सांसद पत्नी डिंपल यादव ने घर बुलाया।दोनों ने महिला कर्मचारियों के साथ दिवाली मनाई। अखिलेश यादव ने महिला कर्मचारियों को सदन में उनकी आवाज उठाने का वादा किया। इसके बाद कर्मचारियों ने अपना धरना खत्म कर दिया। अखिलेश ने उनसे कहा कि वह एफआईआर का भी विरोध करेंगे। अखिलेश–डिंपल के घर से महिलाएं अपने परिवारीजनों के साथ घरों को लौट गईं। रविवार को उनके धरने का सातवां दिन था।

अखिलेश ने कहा कि संवेदना समाजवादी मूल्यों की भावनात्मक कोख होती है। अखिलेश ने महिला कर्मचारियों को बुलाने के लिए सपा नेत्री पूजा शुक्ला से कहा था। इसके पहले पूजा दिन में महिला कर्मचारियों से मिलने धरनास्थल पर पहुंची थीं।पुलिस ने उन्हें गेट पर ही रोक दिया था। आलमबाग के इंस्पेक्टर से उनकी नोकझोक भी हुई। पूर्व एमएलसी सुनील सिंह साजन, शर्मिला महाजन और मुन्नी पाल, अनिता श्रीवास्तव समेत दो दर्जन महिला कार्यकर्ता भी मिठाई लेकर वहां पहुंचे थे। पुलिस की उनसे भी बातचीत हुई। सपा नेताओं ने पुलिस को भरोसा दिया कि वे सिर्फ महिला कर्मियों को मिठाई खिलाएंगे और दिवाली की शुभकामनाएं देंगे। काफी मान–मनौव्वल के बाद पुलिस ने इकोगार्डन के गेट पर महिला कर्मियों बुलाया। पूजा शुक्ला ने उन्हें नम आंखों से हाथ उठाकर दीपावली की बधाई दी थी। धरनास्थल पर मिठाई भेजकर कहा था कि हक की लड़ाई में बेटी हम बाहर ही बैठे हैं जब तक न्याय नहीं मिलेगा पूजा कहीं नहीं जाएगी। पूजा इको गार्डन गेट के सामने बने पार्क में महिला कार्यकर्ता के साथ बैठ गईं थीं। आधी रात के करीब अखिलेश–डिंपल ने महिला कर्मियों को पूजा शुक्ला के जरिए अपने घर बुलाकर उनके साथ दिवाली मनाई।

## ट्रांसफार्मर की आग से पांच घरों का सामान जला,ढ़ाई साल का बच्चा भी घायल

लखनऊ। चिनहट इलाके जग्गौर गांव में गरीबों की पांच झोपड़ियों का सामान आग से

खाक हो गया। मंगलवार की सुबह ट्रांसफार्मर में आग लगी और वही आग पांच में बने झोपड़ियों तक पहुंच गई। इससे पांच घरों का सामान पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। हालांकि वहां रहने वाले लोग समय से बाहर निकल आए। इस दौरान ढ़ाई साल के एक बच्चे का हाथ भी थोड़ा सा जल गया है। सुबह चार बजे करीब फायर विभाग की टीम को आग की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची टीम ने आग पर कंट्रोल तो कर लिया लेकिन उस दौरान गरीबों का सारा सामान जल गया। हालांकि वहां पड़े सिलेंडर को बाहर निकाल दिया गया था अगर ऐसा नहीं किया गया होता तो बड़ी घटना हो सकती थी। बताया जा रहा है कि आग की वजह से इकबाल, साजन, सोनू, सचिन और आलिया के झोपड़ी का सामान पूरी तरह से जलकर खाक हो गया है। जबकि आग की चपेट मे आने से ढाई साल का विपिन झुलस गया है। उसके दाहिने हाथ थोड़ा से जल गया है। यहां एक परिवार में शादी होने वाली थी। उसके लिए उधार और कई लोगों से पैसा एकत्र कर सामान खरीदा गया था। बताया जा रहा है कि 18 साल की लाची की शादी का सामान खरीदा गया था। वह सब सामान जलकर खाक हो गया है। ट्रांसफॉर्मर में आग की वजह से इलाके के100 से ज्यादा घरों में करीब 8 घंटे तक बिजली कटी रही। यहां रहने वाले मुकेश ने बताया कि बिजली कटने को लेकर कई बार उपकेंद्र पर संपर्क किया गया लेकिन उसके बाद भी लेसा की तरफ से कई घंटे तक फॉल्ट सही करने के लिए कोई नहीं आया। इलाके के लोगों ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे के बाद बिजली आ सकी है। आग लगने की घटना पर अभी तक लेसा की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। कोई भी जिम्मेदार अधिकारी फिलहाल कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

## राजधानी में दीपावली पर 27 स्थानों पर लगी आग,घर से लेकर दुकान तक हुए हादसे

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दीपावली में शहर में 27 स्थानों पर आग लगी। जिसे दमकल कर्मियों ने समय रहते बुझाकर बड़ा हादसा होने से बचाया। आग शार्ट सर्किट, दीया और पटाखे से लगने की बात सामने आई है। आग से लाखों का नुकसान तो हुआ, लेकिन कोई जनहानि नहीं हुई। सीएफओ मंगेश कुमार ने बताया कि शहर में फायर से बचाव के जागरूकता अभियान के चलते पिछले साल की अपेक्षा अग्निकांड में 40 प्रतिशत की कमी आई है। जहां पिछले साल दीपावली में शहर में 41 जगह आग लगी थी। इस बार 27 जगह पर आग लगी। जिसमें आधा दर्जन जगह कूड़े, कबाड़ या बंद घर में थी। सैरपुर बाजार स्थित वंशिका वस्त्रालय में सोमवार देर रात शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग की सूचना पर बीकेटी फायर स्टेशन से पहुंची दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। फायर ऑफीसर के मुताबिक वंशिका वस्त्रालय में आग से दुकान में रखे कपड़े जल गए। कपड़ों के चलते आग तेजी से फैली। जिन्हें समय रहते काबू कर लिया गया। दुकानदार रामगोपाल ने बताया दुकान बंद कर घर चले गए थे। देर रात आग की सूचना पर दुकान पहुंचे, तब तक सब जल गया था। यहियागंज में बर्तन की दुकान में आग लगी, हजरतगंज स्थित लाला ओमकारनाथ ज्वैलर्स बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर आग लगी, निरालानगर में पटाखे से राज टंडन के घर में आग लगी, अमीनाबाद में सुधीर केसरवानी की क्राकरी की दुकान में आग लगी, आशियाना रजनी खंड में पवन कुमार अवस्थी के घर में लगी आग, मामा चौराहे के पास राघवेंद्र सिंह के फ्लैट में आग लगी, महानगर में देल्ही इंस्टीट्यूट आफ फंक्शन इमेजिंग कैंपस स्थित ट्रांसफार्म में आग लगी, इंदिरानगर के पटेल नगर के पास मकान में आग लग गई। गाजीपुर में साइकिल पार्ट्स की दुकान में आग लगी, गाजीपुर कल्पना अपार्टमेंट के पास झोपड़ी में लगी आग, इंदिरानगर सेक्टर सी स्थित मकान में आग लगी, पीजीआई के कृष्ण विहार कालोनी में सब्जी की दुकान में आग लगी,बाजारखला स्थित कोयला मंडी में लगी आग, एक दमकल ने आग पर काबू पाया,दुबग्गा सब्जी मंडी में कूड़े के ढेर में आग लगी।

## पंडित जवाहरलाल नेहरू जयन्ती पर यूपी कांग्रेस ने किया नमन

लखनऊ। देश के प्रथम प्रधानमंत्री एवं आधुनिक भारत के शिल्पकार पंडित जवाहरलाल नेहरू जयन्ती पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कांग्रेसजनों ने बच्चों के प्रिय रहे भारत रत्न चाचा नेहरू जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर आजादी की लड़ाई में उनके अतुलनीय योगदान के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित की। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व विधायक एवं मंत्री अजय राय ने छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर आजादी के महानायक को भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ उमा शंकर पांडेय ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पंडित नेहरू के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा करते हुए कहा कि विरासत में मिले विलासिता और ऐश्वर्य के साधनों का परित्याग कर पंडित नेहरू ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। फूलों की सेज छोड़कर भारत माता को गुलामी से मुक्त कराने के लिए लगभग 10 सालों तक अंग्रेजों की जेल में रहे। डॉ. उमा शंकर पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश मुख्यालय में आयोजित विचार गोष्ठी में अनेक नेताओं एवं कांग्रेसजनों ने चाचा नेहरू को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अपने विचार रखे। जिसमें प्रमुख रूप से पूर्व विधायक श्यामकिशोर शुक्ला, पूर्व मंत्री नकुल दूबे, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष शिव पाण्डे, पूर्व मंत्री मसूद अहमद, अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश चेयरमैन शहनवाज आलम, लखनऊ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी, अनीस अंसारी, संजय शर्मा, पूर्व प्रत्याशी रुद्र दमन सिंह बबलू, शहाना सिद्दीकी, अर्चना राठौर, शीला मिश्रा आदि शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन बिजेन्द्र सिंह ने किया।

## लखनऊ में घर की तीसरी मंजिल में लगी आग,परिवार घर में कर रहा था पूजा

लखनऊ। लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र के रजनी खंड में स्थित एक घर के तीसरी मंजिल पर दीपावली की रात अचानक आग लग गई। कुछ देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। घटना के समय परिवार ग्राउंड फ्लोर पर पूजा कर रहा था। घर से धुआं उठता देख पड़ोसी ने जानकारी देने के साथ ही शोर मचाया जिसके बाद मौके पर जुटे पड़ोसियों और परिजनों ने डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया। हालांकि आग लगने के सही कारणों का पता नही चल सका हैं। पवन कुमार अवस्थी पत्नी शबनम देवी,बेटी आरोही और बेटे अभिराज के साथ 7ध399 रजनी खंड शारदा नगर,निकट आवासीय विद्यालय,आशियाना में रहते हैं। वह प्राइवेट गाड़ी चलाते हैं। पति–पत्नी दोनों दिव्यांग है, पति पैर से तो पत्नी हाथ से दिव्यांग हैं। पवन के मुताबिक, बीती रविवार रात करीब आठ बजे परिवार के साथ ग्राउंड फ्लोर पर दिवाली की पूजा कर रहे थे। घर के सामने रहने वाले दिलीप ने देखा की तीसरी मंजिल से धुआं निकल रहा है, शोर मचाने पर जब घर वाले ऊपर पहुंचे तो पता चला कि आग लगी है। जिसके बाद मौके पर पहुंचे और काफी धुआं भरा होने की वजह से उनके भाई जगदम्बा अवस्थी बेहोश हो गए जिन्हें आनन फानन में एक निजी अस्पताल पहुंचाने के साथ ही अन्य पड़ोसी और परिजन आग बुझाने में जुटे रहे। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया गया। आग बुझाने के दौरान पवन मामूली रूप से झुलस गए। देर रात भाई जगदम्बा को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सोमवार दोपहर को आग की जानकारी होते ही आशियाना इंस्पेक्टर ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। इसके बाद क्षेत्र के शारदा नगर प्रथम के पार्षद हिमांशु अंबेडकर ने परिजनों ने मिलकर उन्हें हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया है।

## राजधानी लखनऊ में लोगों ने धूमधाम से मनाई दिवाली

लखनऊ। लखनऊ में दीपावली का पर्व बेहद उत्साह से मनाया गया। लोगों ने घरों और प्रतिष्ठानों में शुभ मुहूर्त में पूजा अर्चना की। इसके बाद जमकर आतिशबाजी के साथ दिवाली का जश्न मनाया। दीपावली की रात तक लोग पटाखों की खरीद करते नजर आए। इस वजह से देर रात तक अमीनाबाद, निशातगंज, महानगर, हजरतगंज, आलमबाग और अलीगंज में रौनक बनी रही। पटाखा, पूजन सामग्री, झालर और मिठाई की दुकानों पर जमकर लोगों ने खरीदारी की। देर रात तक आसमान में पटाखों की चमक और शोर सुनाई दिया। वहीं, लोगों ने दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर खुशियां बांटी।

# सम्पादकीय

## लोकतंत्र के सही परीक्षण की आवश्यकता

आजादी के 75 वे वर्ष के व्यतीत हो जाने के बाद स्वाधीनता एवं लोकतंत्र की आस्था का सही मूल्यांकन किया जाना चाहिए। हमें स्वतंत्रता अनथक मेहनत एवं खून पसीना बहाने के बाद प्राप्त हुई है। स्वाधीनता के बाद हमारे संवैधानिक इतिहास में लोकतंत्र की संरचना को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इस महान लोकतंत्र की आस्था और विश्वास को हमें अनंत काल तक बनाए रखना है और इसके साथ ही स्वाधीनता को भी चिरकाल तक अस्मिता की तरह संजोए रखने की आवश्यकता है। जातिभेद, रंगभेद और सामाजिक कुरीतियों को नजरअंदाज कर लोकतंत्र की अंतर्निहित शक्ति को और ताकतवर बनाना है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारत की सरकारें वर्ष 2022 तक यह प्रयास करती रही कि एक नवीन, मजबूत भारत का उदय हो, जहां अमीरी, गरीबी, जाति, संप्रदाय और सामान्य और दलित वर्ग भेद पूर्णता समाप्त हो जाए,पर भरसक प्रयास के बाद भी ऐसा हो नहीं पाया हैस वर्तमान में भारत की सामाजिक आर्थिक विभिन्नता एवं विषमता देश के आर्थिक तथा वैश्विक छवि के लिए अवरोध साबित हो सकते हैं। देश में विभिन्न नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रीय संपत्ति की तोड़फोड़, आपसी असहमति में हत्याये देश के सर्वांगीण विकास के लिए अच्छे संकेत नहीं है। भारत को एक सशक्त आंतरिक नीति एवं सामाजिक सौहार्द की आवश्यकता है तब ही हम विकास के पथ पर आगे प्रशस्त हो सकते हैं। भारत की सफल विदेश नीति एक अच्छी नीति की शुरुआत है और विदेशों में भारत की एक अलग पहचान भी महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, पर केवल विदेश नीति से ही देश की 131 करोड़ जनता का पेट भरना और उसे विकास की राह में ले जाना मुमकिन नहीं है। देश की आवाम को सशक्त योजनाओं और आर्थिक तंत्र के मजबूत होने के साथ–साथ उत्पादन में आत्मनिर्भरता से ही मजबूत बनाया जा सकता है, तब जाकर देश की गरीबी एवं भूखमरी पर निजात पाई जा सकती है। धर्मनिरपेक्षता के मजबूत कंधों के सहारे देश को सांप्रदायिक सद्भाव के मार्ग पर ले जाने के साथ–साथ शांति और सौहार्द का वातावरण तैयार किया जा सकता है। देश में शांति सौहार्द और उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही विकास के सच्चे पैमाने हैं। पंचवर्षीय योजनाओं में लगातार गरीबी उन्मूलन, कृषि विकास की योजनाएं, विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी, स्कूली एवं कॉलेज की शिक्षा, स्वास्थ्य की तमाम परेशानियों को दूर करने के लिए बड़ी–बड़ी आर्थिक योजनाएं बनती रही हैं,पर न तो पूरी तरह योजनाओं में अमल हो पाया और ना ही भरपूर वित्तीय संसाधनों का सही–सही समुचित दोहन ही हो पायास वैसे तो यह कल्पना की गई थी कि स्वतंत्रता के पश्चात भारत की सरकारें ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर शहर तथा गांव की सरहदों को मिटाने का प्रयास करेगी, हमारा लोकतांत्रिक ढांचा इतना समावेशी और मजबूत नहीं हो पाया कि हम देश के संपूर्ण विकास के लिए कटिबद्ध हो पाएस संसद, विधायिका और कार्यपालिका में तालमेल की कमी के कारण भारत में विकास कल्पना के अनुरूप मूर्त रूप नहीं ले पायास हमें नवीन भारत की संकल्पना के साथ–साथ गरीबी उन्मूलन प्रयास को बहुत सशक्त एवं दमदार बनाना होगास केवल गरीबों को मुफ्त में अनाज देकर उनकी गरीबी दूर नहीं की जा सकती हैस गरीबों को अनाज देने के साथ–साथ उनके हाथों को काम और आजीविका के साधन भी देने होंगे, तब जाकर देश की स्थिति सुधर सकती हैस हमें गरीबी के अनेक स्वरूपों को जड़ से खत्म करना होगा। इसके लिए हमें पिछड़ी जाति, दलित, दिव्यांग,महिलाएं, गरीब बच्चे के लिए सर्वाधिक योजनाओं को महत्व देकर निशुल्क शिक्षा,रोजगार गारंटी तथा कौशल विकास तथा पारदर्शी स्वास्थ्य योजनाओं को हर पंचवर्षीय योजना में लागू किया जाना होगा, पर अब हर वर्ष नई नई योजनाएं बनाकर उस पर प्रभावी क्रियान्वयन कर गरीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर सफल बनाना होगास यह सर्वविदित है कि सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से ही नवीन भारत का मार्ग प्रस्तुत हो सकता हैस भारतीय समाज में जातिवाद एक बड़े नासूर की तरह हम सबके समक्ष खड़ा हैस जात पात को खत्म करने के लिए स्वतंत्रता के प्राप्ति के पश्चात कई महान पुरुषों ने अपना जीवन लगा दिया था, जिनमें प्रमुख ज्योतिबा फुले, महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के नाम उल्लेखनीय हैस इनके समुचित प्रयास के बाद भी जातिवाद को आज भी भारत में खत्म नहीं किया जा सका है,बल्कि यह बड़े रूप में सामने आए हैं एवं राजनीतिक समीकरण के कारण यह और उभर कर सामने आया हैस जिसका फायदा राजनीतिज्ञ अपने चुनाव के समय वोटर को अपने पक्ष में करने के लिए उठाते हैंस 1947 के बाद स्वतंत्रता प्राप्ति के समय 1955 में सिविल अधिकार एक्ट लागू किया इसके बावजूद हालात जस के तस हैंस हमारा देश एक बहू धार्मिक सांस्कृतिक एवं विविधता वाला देश है स भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में माना जाता है। सांप्रदायिकता को रोकने के लिए संसद में अनेक संशोधन हुए हैं इसके बावजूद देश में धार्मिक सौहार्द बनाने में बहुत असफलताएं सामने आई है। यहां सांप्रदायिक दंगे भी हुए हैं, जिसे सरकार रोकने का भरसक प्रयास करती रही लेकिन सदैव उन्हें असफलता ही हाथ लगी हैस संप्रदाय, जाति प्रथा, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे तथा चर्च के विवाद के कारण ही सांप्रदायिकता सदैव खतरे में रही हैस सांप्रदायिक सौहार्द बढ़ाने के कई पहलुओं पर गहन चिंतन मनन भी किया गया पर इसमें बहुत बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है, सांप्रदायिकता के साथ जुड़ी हुई आतंकवाद की घटनाएं हुई इस संदर्भ में जोड़ी जाती रही हैस आतंकवाद, नक्सली समस्या केवल भारत देश की नहीं है यह अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले चुकी हैस भारत आतंकवाद से स्वतंत्रता के बाद से लगभग 73 वर्ष से इस समस्या से जूझ रहा है कश्मीर में आतंकवाद, झारखंड, बिहार,बस्तर, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश,तेलंगाना में नक्सली समस्या अपना सिर उठा चुकी हैस हमारे परंपरागत दुश्मन वैसे तो पाकिस्तान और चीन है पर पाकिस्तान और तालिबान एक साथ मिलकर कश्मीर में आतंकवाद का तांडव मचाकर भारत में अशांति फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। भारत ने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर भी किया हैस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल से भारत को स्वच्छ निर्मल और स्वस्थ रखने की नई योजनाओं को लागू कर उस पर अमल करना शुरू किया है। स्वच्छ भारत भी एक अभियान की तरह भारत में प्रचलित हैस महात्मा गांधी की सदैव कल्पना रही है कि भारत स्वच्छ रहे और इसी कार्यक्रम में सरकार ने सभी शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय बनाने की योजना को तीव्र स्तर पर लागू भी किया हैस पर यह शत–प्रतिशत अनुपालन में नहीं आई हैस इसके अलावा भारत कई योजनाओं में एक साथ काम कर रहा है, जैसे चुनाव में संशोधन,श्रम कानूनों में सुधार, पंचायती राज में संशोधन, आर्थिक सशक्तिकरण तथा कार्यपालिका न्यायपालिका तथा विधायिका में सामंजस्य बनाने का प्रयास भी किया गयास भारत में हर वर्ष बाढ़, सूखा तथा भूकंप के झटके भी महसूस किए जाते रहे और इस पर प्रभावी नियंत्रण लाने का प्रयास भी किया गया है। इसके लिए भी अनेक योजनाएं बनाई गई हैं। कुल मिलाकर नवीन भारत की संकल्पना के साथ भारत में तमाम पहलुओं पर विचार करते हुए अपनी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जाना चाहिए, तब जाकर भारत एक नवीन भारत की कल्पना को साकार रूप दे सकता है एवं विश्व स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकता है।

## दीपावली पर भारतीयों ने खरीदे मेड इन इंडिया उत्पाद, चीन को हुआ एक लाख करोड़ का घाटा

इस वर्ष दीपावली त्यौहार के धनतेरस के दिन भारतीयों ने विभिन्न उत्पादों की जमकर खरीद की है। भारतीय अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख लग गए हैं एवं भारतीय अर्थव्यवस्था अब बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। इसी कारण से वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में भारत की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसा माना जा रहा है कि वैश्विक

स्तर पर वित्तीय वर्ष 2023–24 के वृद्धिगत सकल घरेलू उत्पाद में भारत की भागीदारी 15 प्रतिशत के आसपास रह सकती है। भारत ने अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अपने कदम बढ़ा दिए हैं। भारत में आज आम आदमी की आमदनी बढ़ रही है, आम आदमी की तरक्की जारी है एवं इसे और अधिक बेहतर बनाने के प्रयास लगातार हो रहे हैं। इसी के चलते भारतीय बाजारों में दीपावली के पावन पर्व पर भारी भीड़ एवं रौनक दिखाई दे रही है। भगवान धन्वन्तरि भारतीय नागरिकों पर जैसे धन की वर्षा करते नजर आ रहे हैं। भारत में धनतेरस के दिन किसी भी प्रकार के उत्पाद की खरीददारी को शुभ माना जाता है। विशेष रूप से बर्तन, गहने, वाहन एवं मकान आदि भारी मात्रा में खरीदे जाते हैं। इस वर्ष भारतीय बाजारों में एक और शुभ संकेत दिखाई दे रहा है कि भारतीय नागरिक "वोकल फोर लोकल" एवं "आत्म निर्भर भारत" जैसे विचार से सहमत होते हुए केवल भारत में निर्मित वस्तुओं की जमकर खरीद कर रहे हैं। रीयल एस्टेट सेक्टर, कार डीलर्स, जौहरियों एवं किराना व्यवसायियों की तो जैसे लॉटरी ही लग गई है।

इस वर्ष दीपावली त्यौहार में बाजारों में उमड़ रही भीड़ अपने आप में भारत की आर्थिक शक्ति बनने की कहानी कह रही है। भारतीय ग्राहकों में उत्साह दिख रहा है। ग्राहकों का उत्साह देखकर कारोबारी एवं व्यापारी भी खुश नजर आ रहे हैं। कन्फेडरेशन आफ ऑल इंडिया ट्रेडर्ज एसोसीएशन के अनुसार, इस वर्ष दीपावली के त्यौहारी मौसम में देश में 3.75 लाख करोड़ रुपए का व्यापार हुआ है। इस खरीद की विशेष बात यह रही है कि उपभोक्ताओं में चीन में निर्मित माल के स्थान पर भारत में ही निर्मित स्वदेशी सामान की जबरदस्त मांग देखने को मिली है। जबकि छठ पूजा एवं भैया दूज समेत अभी कई त्यौहार आना शेष है, इस प्रकार आगे आने वाले अन्य त्यौहारों के शुभ अवसर पर 50,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यापार होने की सम्भावना भी व्यक्त की गई है। उक्त संस्थान ने "भारतीय उत्पाद– सबका उस्ताद" नामक एक कैम्पेन भी भारत में, हाल ही में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम के दौरान, चलाया था, जिसका भारतीय नागरिकों पर जबरदस्त प्रभाव दिखाई दिया है। साथ ही इस वर्ष के त्यौहारी मौसम में चीन को लगभग एक लाख करोड़ रुपए के व्यापार का नुकसान हुआ है। क्योंकि, इसके पहले चीन में बनी वस्तुओं की भारतीय बाजारों में 70 प्रतिशत तक बिक्री होती थी परंतु इस वर्ष भारतीय बाजारों में स्वदेशी वस्तुओं की मांग इतनी अधिक थी कि चीन में निर्मित वस्तुओं की बिक्री बहुत ही कम हो गई है। इस वर्ष भारत में दीपावली से सम्बंधित सामान का चीन से आयात नहीं के बराबर हुआ है। एक अनुमान के अनुसार, इस 3.50 लाख करोड़ रुपए के व्यापार में 13 प्रतिशत खाद्य सामग्री एवं किराना की, 9 प्रतिशत ज्वेलरी की, 12 प्रतिशत टेक्स्टायल एवं गारमेंट की, 4 प्रतिशत ड्राई फ्रूट, मिठाई एवं नमकीन की, 3 प्रतिशत होम डेकोर की, 6 प्रतिशत कास्मेटिक्स की, 8 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मोबाइल की, 3 प्रतिशत भोजन सामग्री एवं पूजा वस्तुओं की, 3 प्रतिशत रसोई एवं बर्तन उपकरण की, 8 प्रतिशत गिफ्ट सामान की, 4 प्रतिशत फर्निशिंग एवं फर्निचर सामान की एवं 25 प्रतिशत ऑटोमोबील, हार्डवेयर सामान, खिलौने सहित अन्य अनेकों वस्तुओं एवं सेवाओं की भागीदारी रही है।

भारत में मकानों की बिक्री सम्बंधी आंकड़ों से भी आभास होता है कि भारत में मिडल एवं अपर मिडल क्लास वर्ग की संख्या बढ़ी है। रीयल एस्टेट से जुड़े कारोबारियों का मानना है कि इस वर्ष 1.5 लाख से अधिक लक्जरी और एफोर्डेबल घरों की बिक्री का रिकार्ड बन गया है। वर्ष 2023 की दीपावली के ठीक पूर्व के समय में 1.50 लाख घरों की बिक्री प्रदर्शित करती है कि भारत के नागरिकों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है। वर्ष 2022 की दीपावली के पूर्व 1.47 लाख घरों की बिक्री हुई थी और वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 1.14 लाख रहा था। जनवरी 2023 से सितम्बर 2023 तक की अवधि में भी भारत में 2.30 लाख लक्जरी और एफोर्डेबल घरों की बिक्री हुई थी, जो पिछले साल के मुकाबले 5 प्रतिशत अधिक है। रीयल एस्टेट में बूम का मतलब है कि भारत तेज गति से तरक्की कर रहा है। भारत में आम लोगों की जेब तक पैसा पहुंच रहा है। त्यौहारी सीजन में उछाल सिर्फ रीयल एस्टेट सेक्टर में ही नहीं है, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी लगभग इसी प्रकार का त्यौहारी वातावरण दिखाई दिया है। अक्टूबर 2023 में भारत में 3.90 लाख चार पहिया वाहनों की बिक्री हुई है। जबकि 19 लाख के करीब दोपहिया वाहन भी बिके हैं। नवम्बर 2023 के त्यौहारी मौसम में 4.25 लाख चार पहिया वाहन एवं 20 लाख दो पहिया वाहन बिकने का अनुमान लगाया गया है। इसी प्रकार, एक अन्य अनुमान के अनुसार धनतेरस 2023 के दिन भारत में 50,000 करोड़ रुपए के सोने के आभूषणों की बिक्री हुई है। पिछले वर्ष धनतेरस के दिन 45,000 करोड़ रुपए के सोने के आभूषणों की बिक्री हुई थी। इस प्रकार इस वर्ष सोने के आभूषणों की बिक्री में 11 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। भारत में प्रत्येक क्षेत्र में विकास स्पष्टतरू दिखाई दे रहा है। नागरिकों की जेब में पैसा पहुंचा है तभी तो भारत में उक्त वर्णित समस्त क्षेत्रों में भारी तादाद में बिक्री सम्भव हो पा रही है।

शादी के मौसम की शुरुआत एवं नवरात्रि त्यौहार के शुरू होने के साथ ही भारत में त्यौहारी मौसम की शुरुआत हो जाती है। दिनांक 8 अक्टूबर से ऑनलाइन खुदरा बिक्री वेबसाइट फिलपकार्ट एवं अमेजोन, पर उत्पादों की बिक्री का विशेष त्यौहारी अभियान प्रारम्भ किया गया था और केवल चार दिन में ही केवल उक्त दो कम्पनियों की साइट पर 40,000 करोड़ रुपए का व्यापार कर लिया गया।

भारत के विकास की कहानी की यह तो शुरुआत भर है, आगे आने वाले समय में विकास की इस कहानी को और अधिक गति मिलने की सम्भावना है क्योंकि अभी तक तो केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे पूंजीगत खर्चों का प्रभाव ही इस विकास की कहानी पर दिखाई दे रहा है (केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022–23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय किया था और वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए 10 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय करने का लक्ष्य निर्धारित किया है) जबकि निजी क्षेत्र भी अब अपने पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने जा रहा है क्योंकि विभिन्न कम्पनियां अपनी उत्पादन क्षमता का 75 प्रतिशत से अधिक उपयोग कर रही हैं, अतः उन्हें विनिर्माण के क्षेत्र में नई इकाईयों की स्थापना निकट भविष्य में करनी ही होगी। साथ ही, विदेशी कम्पनियों के भी भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना किये जाने के सम्बंध में सहमति पत्र लगातार प्राप्त हो रहे हैं। इस प्रकार, आगे आने वाले समय में भारत में रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित होने जा रहे हैं जिससे मिडल क्लास की संख्या में और अधिक तेज गति से विस्तार होगा और भारत में ही निर्मित उत्पादों की मांग और अधिक तेज होने जा रही है।

## अयोध्या दीपोत्सवः भव्यता के साथ दिव्यता

योगी सरकार अयोध्या को उसका प्राचीन वैभव प्रदान करने में लगी है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर बन रहे राम मंदिर के साथ ही अयोध्या का दीपोत्सव भी इस बार भव्यता के साथ दिव्यता का अहसास कराने में सफल रहा। योगी सरकार ने दीपोत्सव पर एक बार फिर विश्व कीर्तिमान रचने का काम किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 में अयोध्या दीपोत्सव शुरू कराया था। तब से साल दर साल नया रिकार्ड बन रहा है। पिछले वर्ष 2022 में 15.76 लाख दीपक जलाये गए थे। इस बार अयोध्या के 51 स्थानों पर 22.23 लाख दीपक जलाकर गिनीज बुक में रिकार्ड दर्ज कराया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी की प्रेरणा से शुरू हुए अयोध्या दीपोत्सव की आज वैश्विक पहचान बन चुकी है। दीपोत्सव की शुरुआत वर्ष 2017 में हुई थी लेकिन इस बार का दीपोत्सव कई मायनों में खास रहा। पहली बार विश्व के 54 देशों के राजनयिक भी अयोध्या दीपोत्सव के साक्षी बने। विजय महामंत्र श्री राम जय राम जय जय राम के जाप के साथ संपूर्ण अयोध्या नगरी दीपो से जगमगा उठी। मंच से जब विश्व रिकार्ड बनाने की घोषणा की गई तब अयोध्या का सरयू तट सियावर रामचंद्र के जयकारों से गूंज उठा। दीपों की रोशनी के बीच सरयू के तट पर बाल वृद्ध नर नारी और युवाओं के उमड़ते समूह का उत्साह देखते बन रहा था। ऐसे अवसर पर जब अयोध्या वासियों के साथ–साथ संत शक्ति जब सरयू तट पर हो तो मां सरयू तटस्थ कैसे रह सकती हैं। दीपोत्सव के बाद उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतों के साथ मां सरयू की आरती उतारी। ऐसे समय में सरयू में उठती लहरों को देखकर लगता था मानो मां सरयू श्री राम के स्वागत को आतुर हों। राम कथा पार्क में जब पुष्पक विमान से राम लक्ष्मण मां सीता उतरी तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया और हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। इसके बाद भारत मिलाप का कार्यक्रम हुआ और मंच पर सांकेतिक रूप से भगवान श्री राम का राज्याभिषेक किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को विश्व की सबसे सुंदर नगरी बनाने की घोषणा की। योगी ने कहा कि आने वाले समय में अयोध्या में 50000 करोड रुपए की परियोजनाएं मूर्त रूप लेंगी। वहीं दीपोत्सव से पहले अयोध्या एक और ऐतिहासिक पल की गवाह बनी जब मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में रामनगरी में पहली बार कैबिनेट की बैठक हुई। उत्तर प्रदेश के इतिहास में यह पहला अवसर रहा जब रामलला के दरबार में प्रदेश की कैबिनेट बैठक हुई। कैबिनेट से पास 14 प्रस्ताव के केंद्र में अयोध्या ही रही। योगी की कैबिनेट ने अयोध्या धाम तीर्थ विकास परिषद के गठन के साथ ही अयोध्या में मंदिर म्यूजियम बनाए जाने की घोषणा की। इस म्यूजियम में देशभर के सभी प्रमुख मंदिरों का निर्माण उनकी ही शैली व वास्तु कला के हिसाब से होगा। मंदिर म्यूजियम के बन जाने से अयोध्या आने वाले श्रद्धालु अन्य प्रदेशों के प्रमुख मंदिरों के दर्शन यहां कर सकेंगे। 22 जनवरी 2024 को रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे, इसके चलते इस वर्ष दीपोत्सव को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। क्योंकि 500 वर्षों के सतत संघर्ष के बाद हिंदुओं को यह स्थान प्राप्त हुआ है। राम की जन्मभूमि को प्राप्त करने के लिए तीन लाख 76 हजार हिंदुओं ने अपना बलिदान दिया है। 77 वा संघर्ष संतो के नेतृत्व में विश्व हिंदू परिषद के माध्यम से हुआ। विश्व हिंदू परिषद ने राम मंदिर के लिए देशभर में प्रचंड जागरण किया। आंदोलन के फल स्वरुप ही 1 फरवरी 1986 को मंदिर का ताला खुला और 9 नवंबर को श्री राम जन्मभूमि का शिलान्यास हुआ। संतों ने जब अयोध्या में कारसेवा की घोषणा की तो अनगिनत बाधाओं को पार करते हुए कारसेवक अयोध्या पहुंचे। 02 नवंबर 1990 को राम भक्तों पर मुलायम सिंह यादव ने गोली चलवाई जिसमें सैकड़ो राम भक्त बलिदान हुए लेकिन कारसेवकों ने हार नहीं मानी। 6 दिसंबर 1992 को पुनः कर सेवा में राम भक्तों ने गुलामी के प्रतीक विवादित ढांचे का नामोनिशान मिटा दिया। आज भगवान श्री राम की जन्म भूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूज्य संतों की उपस्थिति में 22 जनवरी को राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा। समारोह संपन्न होगा। इसके बाद गर्भ ग्रह में रामलला के विराजमान हो जाने के बाद श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे। मंदिर के भूतल का काम लगभग पूरा हो चुका है। यह संपूर्ण हिंदू समाज के स्वाभिमान और गौरव का विषय है। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि अपनी आंखों से राम मंदिर अर्थात राष्ट्र मंदिर का निर्माण कार्य होते देख रहे हैं जिसके लिए हमारे पुरखों ने बलिदान दिया है। अयोध्या में श्रीरामचरितमानस के सातों कांड पर आधारित खूबसूरत झाँकी निकाली गई। साकेत महाविद्यालय से झांकी निकालते ही देवराज इंद्र ने भी अभिषेक किया। साकेत महाविद्यालय से नया घाट तक सड़क के दोनों और अयोध्यावासी रामायण के पात्रों पर आधारित झांकियां देखने के लिए उमड़ पड़े थे। पहले केवल नयाघाट व राम की पैड़ी पर ही दीपक जलाये जाते थे। इस बार पूरी अयोध्या नगरी को दीपों से सजाया गया। दीपोत्सव के दौरान होने वाले विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण 100 से अधिक देशों में किया गया। राम सबके हैं। राम सिर्फ उत्तर प्रदेश के नहीं है। इसलिए दीपोत्सव को खास बनाने के लिए

योगी सरकार की पहल पर चार देशों के 21 प्रदेशों के 2500 से अधिक कलाकारों ने लोकगीतों, वाद्ययंत्रों व लोकसंस्कृति के जरिए भारत की गौरवशाली परंपरा का बखान किया। दीपोत्सव में ग्रामीण परिवेश के धोबिया व फरुआही नृत्य देखने को मिला तो ब्रज के लोकनृत्य ने भी लोगों का मन मोहा। । दीपोत्सव पर केरल के कथकली नृत्य, सिक्किम के सिंघी छम नृत्य, छत्तीसगढ़ का गैंडी नृत्य, गुजरात का गरबा, ओडिशा का दाल खाई, कर्नाटक का ढोलू कुनीथा, राजस्थान के कालबेलिया नृत्य से कलाकारों श्रीराम के श्रीचरणों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक राम में सब की श्रद्धा है। भगवान श्री राम आदर्श भाई, आदर्श पति, आदर्श पुत्र और आदर्श राजा थे। भगवान श्री राम सामाजिक समरसता के प्रतीक थे। श्रीराम अयोध्या से चले तो रास्ते में निषाद राज, वानर, भालू, सुग्रीव आदि को मित्र बनकर रावण जैसी अजेय शक्ति का संघार किया। राम ने माता शबरी के जूठे बेर खाए, गिद्धराज जटायु को गले लगाया और वनवासियों को धर्म के मार्ग पर चलने और संघर्ष के लिए प्रेरित किया।

## ऐसे आचार्यों से किनारा करे कांग्रेस

ऐसे वक्त में जब कांग्रेस अपने अस्तित्व के साथ–साथ पूरे भारत में लोकतंत्र को बचाने की सबसे बड़ी व निर्णायक लड़ाई लड़ रही है, तब आचार्य प्रमोद कृष्ण का वह बयान उसे नुकसान पहुंचा सकता है जिसमें उन्होंने कहा है कि श्कांग्रेस ने एक लफंडर को अपना महासचिव बना रखा है। साथ ही वे पहले भी अनेक ऐसे बयान दे चुके हैं जो पार्टी के सीधे–सीधे खिलाफ हैं। कांग्रेस अपने इसी प्रकार के सदस्यनुमा खैरख्वाहों की बदौलत भरपूर नुकसान झेल चुकी है। उसे चाहिये कि वह अपने ऐसे आचार्यों और नेताओं पर लगाम कसे या उन्हें बाहर का रास्ता दिखाये। उल्लेखनीय है कि आचार्य प्रमोद प्रियंका गांधी के करीबी माने जाते हैं और वे दो बार कांग्रेस की तरफ से लोकसभा का चुनाव भी लड़ चुके हैं। पहली बार 2014 में संभल और 2019 में लखनऊ से। हालांकि दोनों ही बार उन्हें मुंह की खानी पड़ी थी। दरअसल हाल ही में आचार्य ने कहा था कि कांग्रेस के भीतर कुछ हिन्दू विरोधी भावनाओं के लोग हैं। इस पर जब कांग्रेस के महासचिव व मध्यप्रदेश के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला से पत्रकारों ने प्रतिक्रिया जाननी चाही तो उन्होंने कहा कि वे ऐसे ऊलजलूल लोगों को छोड़ें और बयानों पर न जायें। इसी बयान से नाराज होकर आचार्य ने ट्वीट कर दिया कि श्कांग्रेस के भाग्य की यह विडम्बना है कि एक ऐसे लफंडर को पार्टी का महासचिव बना दिया गया है जिसने राज्यसभा के चुनाव में विधायक रहते हुए भाजपा के उम्मीदवार और जी न्यूज के मालिक सुभाष चंद्रा को जितवाने का पाप सिर्फ एक अश्लील सीडी के प्रसारण को रुकवाने के लिये किया। इसके पहले उन्होंने बयान दिया था कि कुछ ऐसे बड़े कांग्रेसी नेता हैं जिन्हें हिन्दू शब्द से ही नफरत हैं। उनका यह भी कहना था कि कुछ नेताओं को राम मंदिर ही नहीं भगवान राम से भी नफरत है। वे यहीं तक नहीं रुके और उन्होंने यह भी कहा कि श्दुनिया जानती है कि राम मंदिर के निर्माण को रोकने के प्रयास हुए। इससे सनातन धर्म में विश्वास रखने वाले करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है। आचार्य प्रमोद ऐसे लोगों में हैं जो अपने पार्टी विरोधी बयानों से कांग्रेस को नुकसान पहुंचाते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने संयुक्त विपक्षी गठबंधन इंडिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा था कि उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती से गठबंधन किये बगैर उप्र में कांग्रेस व समाजवादी पार्टी चुनाव जीत ही नहीं सकते। प्रमोद आचार्य का गुस्सा स्वामी प्रसाद मौर्य पर भी भड़का है जिन्होंने अपने एक्स हैंडल पर सोमवार को अपनी दिवाली की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है कि श्दुनिया में सभी रंग–रूप, नस्ल वालों के बच्चे दो हाथ, दो पैर, दो कान, दो आंख, दो छिद्रों वाली नाक के साथ एक सिर, एक पीठ व एक पेट के साथ पैदा होते हैं। चार हाथ, आठ हाथ, दस हाथ, बीस हाथ व हजार हाथ वाला बच्चा आज तक पैदा ही नहीं हुआ तो यह चार हाथों वाली लक्ष्मी

कैसे पैदा हो सकती है? उन्होंने यह भी कहा कि अगर आपको लक्ष्मी की ही पूजा करनी है तो अपनी पत्नी की पूजा करें जो आपको व आपके परिवार को खाना खिलाती है, देखरेख करती है।श इस पर अनेक हिंदूवादी संगठनों ने आपत्ति जताई लेकिन आचार्य प्रमोद कुछ ज्यादा ही नाराज हो गये। उन्होंने यहां तक कह डाला कि मैं उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कहूंगा कि उनके बोलने पर पाबंदी लगाई जाए।

इतने समय से कांग्रेस में रहने और कई राजनैतिक उतार–चढ़ाव देखने वाले आचार्य प्रमोद को अगर यह बात नहीं समझ में आती कि ऐसे विवादों से अंततः फायदा कांग्रेस के विरोधियों, वह भी मुख्यतरू भारतीय जनता पार्टी को ही होता है, तो उन्हें वहां रहने और पार्टी द्वारा उन्हें अपने साथ जोड़कर रखे जाने का कोई औचित्य नहीं है। कांग्रेस कई ऐसे अपनों को झेल चुकी है और उसे इसका बहुत खामियाजा उठाना पड़ा है। वे चाहें मणिशंकर अय्यर हों या सलमान खुर्शीद या फिर कपिल सिब्बल अथवा गुलाम नबी आजाद– अलग–अलग अवसरों पर ऐसे ही बयान देकर पार्टी को नुकसान उठाते रहे हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी हैं जो अब कांग्रेस में नहीं हैं लेकिन उनके पार्टी छोड़ने से कोई नुकसान नहीं हुआ है। सच तो यह है कि ऐसे लोग पार्टी में रहकर ही उसे नुकसान पहुंचाते हैं। पार्टी को चाहिये कि ऐसे कथित नेतानुमा आचार्यों पर न केवल अंकुश लगाए वरन जरूरत पड़ने पर उन्हें निकाल बाहर करें। यह वही पिच है जिस पर भाजपा चाहती है कि उसके सारे विरोधी दल आकर खेलें। व्यक्तिगत रंजिशों व वाद–विवादों से प्रारम्भ होने वाले ऐसे ही प्रकरण धीरे–धीरे बड़ा रूप धारते हैं। कांग्रेस विरोधी पार्टियां इन्हीं सारे बयानों का संदर्भ देकर पार्टी को घेरती है और जनता के सामने उसका कद व महत्व गिराती जाती है। इसके लिये किसी और को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। इन अंदरूनी विवादों का हवाला देकर भाजपा तंज कस सकती है कि पहले ये (कांग्रेसी) आपस में मोहब्बत कर लें फिर देशवासियों के बीच नफरत को खत्म करें। अपने एक महासचिव पर इस तरह की टिप्पणी करना किसी भी जिम्मेदार नेता को शोभा नहीं देता। इसके बाद कांग्रेस द्वारा अन्य दलों के नेताओं की ऐसी टिप्पणियों पर उंगली उठाने का हक नहीं रह जाता। आचार्य प्रमोद जैसे लोग ही कांग्रेस की लड़ाई को कमजोर बनाते हैं।

# आज से जनजाति भागीदारी उत्सव
## जनजाति लोकनायक बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती के अवसर पर होगा उद्घाटन

लखनऊ। जनजाति लोकनायक बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान लखनऊ, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश, जनजाति विकास विभाग, उत्तर प्रदेश, पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान उत्तर प्रदेश लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में "जनजाति भागीदारी उत्सव" मनाया जा रहा है। इसका उद्घाटन बुद्धवार दिनांक 15 नवंबर 2023 को दोपहर दो बजे गोमती नगर स्थित उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में किया जाएगा। उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी ने बताया कि आयोजित "जनजाति भागीदारी उत्सव" के उद्घाटन समारोह में उत्तर प्रदेश के माननीय मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति जयवीर सिंह, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण असीम अरुण तथा राज्य मंत्री, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण संजीव कुमार गोंड की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। "जनजाति भागीदारी उत्सव" में सुबह 11 बजे से अकादमी परिसर में उत्तर प्रदेश का कर्मा नृत्य, सहरिया नृत्य, झूमरा नृत्य, कोल्हाई नृत्य, नागालैण्ड का नजान्ता नृत्य, छत्तीसगढ़ का गौर माड़िया नृत्य, उत्तराखण्ड का झीझी नृत्य, जम्मू और कश्मीर का गोजरी नृत्य, उड़ीसा का दलखाई नृत्य, राजस्थान का गरासिया नृत्य, मध्य प्रदेश का गदली नृत्य, पश्चिम बंगाल कोरा नृत्य, बिहार का संथाल नृत्य, असम का राभा नृत्य, मध्य प्रदेश गुदम्ब बाजा नृत्य, राजस्थान कालबेलिया नृत्य और गुजरात का मेवासी देखने को मिलेगा। दूसरी ओर बहुरुपिया एवं नट, भपंग वादन, भोपा भोपी, बीन वादन भी सुनने को मिलेगा। इसके साथ ही जनजाति सांस्कृतिक यात्रा दोपहर 12 बजे से 1090 चौराहे से अकादमी परिसर तक जाएगी जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम चार बजे से होंगे। कार्यक्रम को विविधता प्रदान करते हुए संगोष्ठी एवं वार्ता तथा खेलकूद और नाट्य मंचन का भी कार्यक्रम होगा।शिल्प मेला में उत्तर प्रदेश का मूँज शिल्प, जलकुंभी से बने शिल्प उत्पाद, काशीदाकारी, बनारसी साडी, कोटा साडी, सहरिया जनजाति उत्पाद, गौरा पत्थर शिल्प, लकड़ी के खिलौने विक्रय के लिए प्रदर्शित किये जाएंगे। इस क्रम में मध्य प्रदेश की माहेश्वरी साड़ी, चन्देरी साही, बाँस शिल्प, जनजातीय बीड ज्वैलरी, पश्चिम बंगाल की काथा साड़ी, ड्राई फ्लावर, धान ज्वेलरी, झारखण्ड की सिल्क साड़ी, हैण्डलूम टेक्सटाइल्स, तेलांगना की पोचमपल्ली, साड़ी और चादर, महाराष्ट्र की कोसा सिल्क साड़ी, राजस्थान का सांगानेरी छण्ड ब्लाक प्रिंट, छत्तीसगढ का लौह शिल्प, ढोकरा एवं बाँस शिल्प, असम का हैण्डलूम गारमेंट और सिक्किम का हैण्डलूम टेक्सटाइल्स भी शामिल किया गया है। व्यंजन मेला में उत्तर प्रदेश का भुनी आलू चटनी, कुमायूँनी खाना, मक्खन मलाई, रबड़ी दूध, चाट का स्वाद चखने का अवसर मिलेगा वहीं राजस्थान के व्यंजन, मुंगौड़ी, जलेबी, तंदूरी चाय, जनजातीय व्यंजन, महाराष्ट्र के व्यंजन, मटका रोटी, बिहार के व्यंजन, खाजा, मनेर के लड्डू भी खाने को मिलेंगे।

# जैन मन्दिरों में मना भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव

लखनऊ। गोमतीनगर जैन मंदिर में जैन धर्म के 24 वें व अंतिम तीर्थकर 1008 भगवान महावीर का 2550 वा मोक्ष कल्याणक सोमवार को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। अमावस्या की पूर्व बेला में भगवान महावीर को निर्वाण प्राप्त हुआ था। मंत्री आलोक जैन ने बताया कि भगवान के अभिषेक एवं पूजन के बाद निर्वाण लाडू चढ़ाया गया।जिसमें महिलाओं ने सुंदर सूंदर निर्वाण लाडू बनाकर भगवान को अर्पित किये। अनीता जैन, दीपाली, दीपिका, अर्चना, जूली, सपना, वैशाली, पिंकी आदि ने भाग लिया। मुख्य शांति धारा अरविंद मनीषा एवं अनीता सुकांत निकांत परिवार द्वारा की गई और मुख्य लाडू अविनाश संगीता जैन परिवार द्वारा चढ़ाया गया। मंदिर के अध्यक्ष प्रदीप जैन, मंत्री आलोक जैन, संदीप,निकान्त, अमित,अशोक जी, धर्मवीर जी, पीयूष,राकेश , विशाल, पंडित पीयूष आदि शामिल रहे। इन्दिरानगर में स्वर्ण कलशों से अभिषेक, एवं विश्व शान्ति की कामना इसी श्रृंखला में इंदिरानगर जैन मंदिर में भगवान महावीर स्वामी का स्वर्ण कलशों से अभिषेक किया गया एवं विश्व शान्ति की कामना से शांतिधारा की गई। भगवान महावीर स्वामी का पूरी भक्ति भाव से पूजन करते हुए निर्वाण कांड पढ़ते भगवान को लाडू समर्पित किया गया। जैन समाज के मंत्री अभिषेक जैन ने

बताया कि भगवान महावीर स्वामी को मोक्ष गये 2550 वर्ष होने के उपलक्ष्य में इस पूरे वर्ष को हम सभी अहिंसा वर्ष के रूप में मनाने जा रहे है । जिसने विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे । इस अवसर पर जैन समाज के अध्यक्ष पीके जैन, मनोज जैन, अनुरोध जैन, ऋषभ जैन, अरविंद जैन, सुरेंद्र जैन, अनुदीप जैन उपस्थित रहे। महिलाओं में शिप्रा जैन अपर्णा जैन श्रुति जैन आदि के द्वारा भगवान के मोक्ष कल्याण पर भजन एवं नृत्य प्रस्तुत किए गये।श्री दिगम्बर जैन समिति की ओर से आशियाना जैन मंदिर में भगवान महावीर का 2550 वां मोक्षकल्याणक श्रद्धा पूर्वक भक्तों ने मनाया।शान्तिधारा और नित्यनियम पूजन के साथ निर्वाण पूजन उ.प्र जैन विद्या शोध संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. अभय कुमार जैन द्वारा मंत्रोच्चार के साथ हुआ। प्रथम निर्वाण लड्डू समर्पित करने का सौभाग्य अभय शाह और रोचक शाह परिवार को मिला जबकि पाण्डुक शिला पर भगवान महावीर को विराजमान करने का सौभाग्य शरद कुमार जैन को मिला। समिति के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश और जैन मिलन के अध्यक्ष संजीव जैन के नेतृत्व में जयकारों के साथ आयोजन सम्पन्न हुआ।

# कुमार विश्वास राम की मूर्ति लेकर पहुंचे पीड़ित डॉक्टर के घर,मांगी माफी साथ मनाई दीपावली

लखनऊ। 1अपने सुरक्षाकर्मियों और डॉक्टर के बीच मारपीट की घटना के बाद सोशल मीडिया पर कवि कुमार विश्वास विवादों में हैं। कवि की तरफ से विवाद पर सफाई पेश करने के बावजूद मामले की जांच जारी है। सीआरपीएफ ने जांच पूरी होने तक विश्वास की सुरक्षा में तैनात तीन जवानों को ड्यूटी से हटा लिया। इनकी जगह नए जवानों को तैनात किया है। रविवार शाम दीपावली के दिन पर पहुंचा तो उनके सुरक्षाकर्मियों ने पीछे चल रहीं गाड़ियों को रुकने का इशारा किया। साइड नहीं देने पर सुरक्षाकर्मियों ने कार सवार डॉ. पल्लव वाजपेई को रोक लिया। डॉक्टर का कहना था कि वे वैशाली के आरोग्य अस्पताल से विजयनगर के निजी अस्पताल में आपात स्थिति के लिए जा रहे थे। आरोप है कि इसी दौरान उनके सुरक्षाकर्मियों की डॉक्टर पल्लव वाजपेयी से झड़प हुई थी,

कुमार विश्वास पीड़ित डॉक्टर पल्लव वाजपेयी से मिलने उनके घर पहुंचे। उन्होंने परिवार के साथ दीपावली मनाई। इंडियन मेडिकलएसोसिएशन का आक्रामक था। आईएमए ने हड़ताल की चेतावनी दी थी। छवि को पहुंच रहे नुकसान को देखते हुए और विवाद खत्म करने की कोशिश के तहत कुमार विश्वास पीड़ित डॉक्टर के घर पहुंचे और उनसे क्षमा मांगी। डॉ. कुमार विश्वास ने प्रताप विहार निवासी डॉ. पल्लव वाजपेयी के परिचितों के माध्यम से उनके घर जाने का समय मांगा और दीपावली की शाम उनके घर पहुंचे। उनसे और उनके परिवार से मिलकर उनका कुशल–क्षेम जाना। उन्हें भगवान राम की मूर्ति भी भेंट की। कुमार विश्वास एक कार्यक्रम के सिलसिले में अलीगढ़ जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ियों का काफिला हिंडन बैराज मोड़ जिसमें डॉक्टर को काफी चोटें आई थीं। डॉ. पल्लव और सुरक्षाकर्मियों दोनों ने अपनी–अपनी ओर से थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।कुमार विश्वास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लंबी पोस्ट डालकर माफी मांगी। उन्होंने कहा कि अलीगढ़ जाते समय वसुंधरा स्थित घर से जब निकला तो हिंडन नदी तट पर किसी कार चालक ने साथ चल रहे सुरक्षाकर्मियों की कार पर दोनों ओर से टक्कर से हमला करने की कोशिश की। जब नीचे उतरकर सुरक्षाकर्मियों ने उस व्यक्ति को पूछताछ के लिए रोका तो उसने न केवल यूपी पुलिस के सिपाही बल्कि केंद्रीय बलों के सुरक्षाकर्मियों पर भी हमला किया। कुमार विश्वास ने अपनी पोस्ट में लिखा था,डॉ. पल्लव के निजी कष्ट का कारक न होने के बाद भी उनसे क्षमा।

# स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर सपा चुप, भाजपा और कांग्रेस ने उठाए सवाल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान पर समाजवादी पार्टी चुप है। इसे लेकर भाजपा और कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने एक्स पर लिखा, ष्रामायण के अपमान पर चुप रहे समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की माता महालक्ष्मी जी के अपमान पर भी चुप्पी साबित करती है कि सपा प्रमुख ने ही स्वामी प्रसाद मौर्य को राष्ट्रीय महासचिव बनाकर सनातन हिंदू धर्म के अपमान का एजेंडा सौप रखा है। ये ल साबित हो गया है कि सपा प्रमुख का खुद को हिंदू बताना, विष्णु जी और परशुराम जी का मंदिर बनवाने की घोषणा और अपने पूजा पाठ का प्रचार कराना सब ढोंग है। अपनी तुष्टीकरण की राजनीति के कारण सपा प्रमुख हिंदू धर्म का अपमान कराने से बाज नहीं आने वाले। स्वामी प्रसाद मौर्य तो मानसिक रूप से दिवालिया हो गए हैं। वास्तव में उनके बयानों में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ही की सोच है। सपा प्रमुख हिंदू धर्म और देवी देवताओं को अपमानित कराना बंद करें। कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने कहा, ष्भाजपा के स्लीपर सेल सपा में घुस गए हैं। वह धार्मिक टिप्पणी करके लोगों की भावनाओं को आहत करने का काम कर रहे हैं। शोषितों, वंचितों, दलितों, पिछड़ों के नाम पर राजनीति करने वाले कभी पिछड़ों की आवाज नहीं उठाते हैं। जातीय जनगणना को लेकर कांग्रेस भाजपा से सवाल कर रही है। सपा नेता स्वामी प्रसाद पिछड़ों की लड़ाई के बजाय देवी–देवताओं पर टिप्पणी करते हैं। रामचरित मानस पर सवाल उठाते हैं। सपा इस पर चुप क्यों है, बोलती क्यों नहीं?ष्कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, ष्स्वामी प्रसाद मौर्य के मुंह में बवासीर हो गया है, उन्हें इलाज की बहुत जरूरत है। मैं योगी आदित्यनाथ से कहूंगा कि उनके बोलने पर पाबंदी लगाएं। दीपावली पर सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने देवी लक्ष्मी पर विवादित बयान दिया था जिसको लेकर सियासी बयानबाजी तेज है।

# कृष्णानगर में इंस्पेक्टर की हत्या
## पत्नी ने कहा, आशिक मिजाज थे इंस्पेक्टर,कॉलगर्ल को लाते थे घर, बेटी ने लिया था देख

लखनऊ। लखनऊ के कृष्णानगर के मानस विहार में दिवाली की देर रात इंस्पेक्टर की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। इस बीच इंस्पेक्टर की पत्नी ने सनसनीखेज खुलासा किया है। पत्नी भावना के मुताबिक उनके पति आशिक मिजाज के थे जिसको लेकर घर में तनाव था। जनवरी में उन्हें 10 साल की बेटी ने घर में एक सेक्स वर्कर के साथ देख लिया था। मृतक इंस्पेक्टर सतीश कुमार की पत्नी भावना ने बताया कि सतीश घर में कॉलगर्ल को बुलाते थे। जनवरी में उन्हें बेटी ने घर में एक कॉलगर्ल के साथ देख लिया था। उसके शोर मचाने में जब मैं पहुंची तो कॉलगर्ल भाग गई। कॉलगर्ल श्रंगार नगर वाले मकान में अन्य साथियों के साथ रहती है, जिसके चलते उस मकान में यह ले भी नहीं जाते थे। भावना ने बताया कि मकान खाली कराने का हम लोग दबाव बना रहे थे। मुझे आशंका है कि कॉलगर्ल ने मकान हाथ से न

निकल जाए, इसलिए पति की हत्या करा दी। जांच पड़ताल में सामने आया कि घटना स्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हैं। घर के पास एक कैमरा है लेकिन खराब निकला। पुलिस घटना स्थल की तरफ आने जाने वाले रास्ते के एक किलोमीटर एरिया के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। डीसीपी साउथ विनीत जायसवाल के मुताबिक मामले में अज्ञात पर हत्या का केस दर्ज किया गया है। पांच टीमें गठित की गई है। सीसीटीवी फुटेज से सुराग जुटाए जा रहे हैं। वारदात का खुलासा जल्द होगा।

# जब कांग्रेस सत्ता में थी तब क्यों नहीं कराई जाति जनगणना, अखिलेश का राहुल गांधी पर तीखा हमला

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने जाति जनगणना को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में थी तो पार्टी ने जाति जनगणना नहीं कराई थी। अखिलेश यादव ने चुनावी राज्य मध्य प्रदेश के सतना में कहा, कांग्रेस वह पार्टी है जिसने आजादी के बाद जाति जनगणना नहीं कराई, जब लोकसभा में सभी पार्टियां जाति जनगणना की मांग कर रही थीं, तब उन्होंने जाति जनगणना नहीं कराई। वे आज ऐसा क्यों करना चाहते हैं? क्योंकि वे जानते हैं कि उनका वोट बैंक उनके साथ नहीं है। दूसरी तरफ कांग्रेस केंद्र से जातीय जनगणना कराने की मांग कर रही है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी उनकी मांग नहीं मानने पर केंद्र सरकार पर हमला बोला। इस बीच, अन्य भारतीय गठबंधन दलों ने भी जाति जनगणना की मांग तेज कर दी है, जिसे केवल केंद्र सरकार ही कानून के अनुसार करा सकती है। बिहार में नीतीश कुमार की सरकार ने एक जाति सर्वेक्षण किया है और विपक्षी दलों के नेतृत्व वाली कई अन्य राज्य सरकारों ने भी इसी तरह की घोषणा की है। इंडिया ब्लॉक पूरे देश के लिए जाति जनगणना की मांग कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह समाज में विभिन्न समूहों के लिए उनकी आबादी के अनुसार नीति–निर्माण के लिए अनुकूल होगा। दूसरी ओर, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार दावा करती रही है कि जाति जनगणना समाज में विभाजन पैदा करेगी। इस बीच, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने पर राज्य में जाति जनगणना कराने की घोषणा की है।

# डीएलएड प्रशिक्षु करेंगे स्कूलो का मूल्यांकन, मिलेगी प्रोत्साहन राशि

लखनऊ। यूपी के परिषदीय स्कूलों में कक्षा एक से कक्षा तीन तक के विद्यार्थियों को गणित व भाषा में निपुण बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस महीने निपुण विद्यालयों के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी।जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों में डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन यानि डीएलएड के प्रशिक्षुओं के माध्यम से इन स्कूलों को चयन होगा। एकेडमिक रिसोर्स पर्सन यानि एआरपी के माध्यम से चयनित 10–10 स्कूलों के साथ–साथ यह शिक्षक संकुल के विद्यालयों का भी मूल्यांकन करेंगे। डीजी स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद ने बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य परियोजना कार्यालय के माध्यम से विद्यालयों के मूल्यांकन का रोस्टर तैयार किया गया है।इस रोस्टर के माध्यम से ही डीएलएड प्रशिक्षु मूल्यांकन करेंगे और इनके स्मार्ट मोबाइल फोन या टैबलेट पर प्रतिदिन औचक विद्यार्थियों की सूची उपलब्ध कराई जाएगी। प्रतिदिन डीएलएड प्रशिक्षु दो–दो परिषदीय स्कूलों में मूल्यांकन करने आएंगे। प्रत्येक विद्यालय का मूल्यांकन करने पर इन्हें 250 रुपये प्रोत्साहन राशि दी जायेगी।दिसंबर में निपुण सम्मान दिवस का आयोजन कर चयनित निपुण विद्यालयों के शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। मालूम हो कि देश भर में वर्ष 2026 तक कक्षा एक से कक्षा तीन तक के विद्यार्थियों को गणित व भाषा में दक्ष बनाने का लक्ष्य रखा है लेकिन यूपी इसे दो वर्ष पहले ही हासिल करने पर जोर दे रहा है।

# अल्पसंख्यक संस्थाओं की प्रबंधकारिणी ही संस्थाओं को लूट रही
## अल्पसंख्यक संस्थानों में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा

लखनऊ। अल्पसंख्यक संस्थाओं की मैनेजमेंट कमेटियाँ ही इन संस्थाओं को लूटने में लगी हुई है। अल्पसंख्यक संस्थाओं की मैनेजमेंट कमेटीयां ही अल्पसंख्यकों के शैक्षिक पिछड़ेपन की जिम्मेदार हैं। इन संस्थाओं को बचाना सभी जिम्मेदार नागरिकों का कर्तव्य है मैं भविष्य में इस लड़ाई में राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन और मसाजिद, मदारिस, दरगाह व कब्रिस्तान बचाओ कमेटी उ.प्र. व अन्य संगठन जो अल्पसंख्यक संस्थाओं को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ने के लिए तैयार हूँ। यह विचार इस्लामिया कॉलेज के पूर्व प्रवक्ता डॉक्टर गुलाम मोईनुद्दीन ने राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन और मसाजिद, मदारिस, दरगाह व कब्रिस्तान बचाओ समिति उ.प्र. की ओर से उनके सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रकट किये जहां पर डॉ. गुलाम मोईनुद्दीन को भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष विशेष कर अल्पसंख्यक संस्थानों में फैले भ्रष्टाचार की समाप्ति के लिए उनके विशेष योगदान के लिए उन्हें शाल उढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के कन्वीनर मोहम्मद आफाक, मसाजिद मदारिस दरगाह वह कब्रिस्तान बचाओ समिति उ.प्र. के अध्यक्ष हाजी फहीम सिद्दीकी, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद अहमद व अन्य लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के कन्वीनर मोहम्मद आफाक और मसाजिद, मदारिस, दरगाह व कब्रिस्तान बचाओ समिति उ.प्र. के अध्यक्ष हाजी फहीम सिद्दीकी ने संयुक्त रूप से कहा कि की उजरियांव कब्रिस्तान बचाने की लड़ाई में उन्हें बड़ी कामयाबी मिली आज कब्रिस्तान के जिम्मेदारों को अखबार में यह बयान देना पड़ रहा है कि उनकी कब्रिस्तान की जमीन पर मार्केट आदि बनाने की कोई योजना नहीं है जिससे स्पष्ट होता है कि उनकी योजनाओं पर पानी फिर गया। इन संस्थानों में फैले अन्य भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

# दिल्ली–देहरादून हाईवे पर ट्रक में घुसी कारय छह लोगों की मौत

लखनऊ। दिल्ली–देहरादून हाईवे पर छप्पर थाना क्षेत्र में ट्रक में कार की भीषण टक्कर होने के कारण 6 लोगों की मौत हुई। कार सवार 6 दोस्त दिल्ली से हरिद्वार की तरफ जा रहे थे। आज मंगलवार को तड़के करीब 04 बजे थाना छपार क्षेत्र में शाहपुर कट के पास यह सड़क दुर्घटना हुई। क्षेत्राधिकारी विनय गौतम के मुताबिक आज समय करीब 04 बजे थाना छपार पुलिस को शाहपुर कट एनएच 58 पर सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। सूचना पर क्षेत्राधिकारी सदर तथा थाना प्रभारी छपार मय पुलिस बल द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए जानकारी की गयी तो पाया कि 01 सियाज कार अनियंत्रित होकर मुजफ्फरनगर से हरिद्वार की तरफ जा रहे 01 ट्रक में पीछे से जा घुसी, जिसमें कार सवार 06 युवकों की मौके पर ही मृत्यु हो गया थी।मृतकों की शिनाख्त शिवम, पार्श, कुनाल, धीरज, विशाल व 01 अन्य दोस्त निवासी शहादरा, दिल्ली के रूप में हुई। छपार पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचित करते हुए शवों को पोस्टमार्टम हेतु भेजा तथा क्षतिग्रस्त वाहनों को मौके से हटवाकर यातायात चलवाया।

# दिवाली में भी अस्पताल रहे मरीजों से फुल,जश्न मनाने में लापरवाही पड़ी भारी, 1 हजार से ज्यादा पहुंचे अस्पताल

लखनऊ। दिवाली की आतिशबाजी में कई जल भी गए। पटाखे से जलकर लखनऊ में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। इस दौरान अस्पतालों में डॉक्टर मुस्तैद दिखे और मरीजों की लगातार आमद रही। केजीएमयू के अलावा बलरामपुर, सिविल और लोकबंधु अस्पताल में बर्न इंजरी के अलावा भी कई घायल मरीज अस्पताल पहुंचे। इस दौरान बलरामपुर अस्पताल में एक मरीज हार्ट अटैक का भी मरीज पहुंचा। ट्रॉमा सेंटर पहुंचे 321 मरीज केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर प्रभारी डॉ. संदीप तिवारी ने बताया कि दिवाली के दिन कुल 321 मरीज अस्पताल पहुंचे।इनमें से 27 बर्न पेशेंट रहे। राहत की बात ये रही कि कोई भी मरीज बेहद गंभीर हालत में नही आया। वही हाई प्रोफाइल इलाके में बने डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में भी 221 पटाखों से जले मरीज अस्पताल पहुंचे। सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ.राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि रविवार शाम से सोमवार सुबह तक कुल 221 मरीज इमरजेंसी पहुंचे। इनमें से 3 गंभीर मरीजों को हायर सेंटर भी रिफर किया हैं। इसके अलावा 30 मरीज माइनर इंजरी के भी रहे। डॉ. राजनारायण लोकबंधु संयुक्त अस्पताल के निदेशक डॉ. नीलांबर श्रीवास्तव ने बताया कि दिवाली के दिन 154 मरीज

अस्पताल पहुंचे। इनमें 15 मरीजों को एडमिट किया गया। कुल पटाखों से जलने वाले मरीजों की संख्या 41 रही। बलरामपुर अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.अतुल मेहरोत्रा ने बताया कि दिवाली की शाम से सुबह अगले दिन सुबह तक कुल 333 मरीज अस्पताल पहुंचे। इस दौरान 54 मरीजों को एडमिट भी करना पड़ा था। इनमें से 38 मरीज इंजरी के रहे। 25 मरीज पटाखों से घायल होकर अस्पताल में पहुंचे।

# बाल दिवस पर बच्चों से मिले योगी, उज्ज्वल भविष्य का दिया आशीर्वाद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बाल दिवस के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर में उनसे मिलने आए ताइक्वांडो प्रशिक्षु बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया। ताइक्वांडो सीखने वाले इन बच्चों ने मुख्यमंत्री को तोहफे में गुलाब दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर भी सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह दिग्विजयनाथ ताइक्वांडो ट्रेनिंग सेंटर के बच्चे उनसे मिलने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बच्चों ने एक–एक कर उन्हें गुलाब का

फूल भेंट किया। इस पर मुख्यमंत्री मुस्कुरा उठे। मुख्यमंत्री ने बच्चों से उनके ताइक्वांडो प्रशिक्षण और पढ़ाई को लेकर बातचीत की और खूब सफलता प्राप्त करने का आशीर्वाद भी दिया। मुख्यमंत्री ने बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। बाल दिवस पर मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक संदेश पोस्ट कर बाल हित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, राष्ट्र की आशा, आकांक्षा और उन्नति के आधार, सभी प्रिय बच्चों को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। हमारी सरकार बच्चों को संस्कारित शिक्षा, सुरक्षा और उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही उनके समग्र विकास के लिए पूर्णतरू प्रतिबद्ध है।

# एएमसी सेंटर और कॉलेज लखनऊ में भारतीय सेना अग्निवीर भर्ती रैली कल

लखनऊ। भर्ती क्षेत्र उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के तत्वावधान में, भर्ती कार्यालय (मुख्यालय) लखनऊ में 16 नवंबर 2023 से एएमसी सेंटर और कॉलेज स्टेडियम, लखनऊ (यूपी) में अग्निवीर के लिए एक भर्ती रैली आयोजित करेगा। यह रैली उत्तर प्रदेश मे रैलियों की श्रृंखला में तीसरी होगी और सात दिनों की अवधि के लिए निर्धारित है और इसमें अप्रैल 2023 के महीने में आयोजित ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम (सीईई) पास करने वाले उम्मीदवार भाग लेंगे। लगभग 11,000 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया है अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्स मैन (10वींऔर 8वीं) और अग्निवीर क्लर्क,स्टोर कीपर टेक्निकल की रिक्तियों के लिए इस रैली में उत्तर प्रदेशके 13 जिलो के उम्मीदवारों के भाग लेने की उम्मीद है। ऑनलाइन सीईई पास करने वाले औरैया, चित्रकूट, कन्नौज, बांदा, महोबा, हमीरपुर, बाराबंकी, गोंडा, कानपुर देहात, उन्नाव, कानपुर नगर, फतेहपुर और लखनऊ जिलों के सभी उम्मीदवारों के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए गए हैं। उम्मीदवार सुबह 0100 बजे एएमसी सेंटर और कॉलेज स्टेडियम, लखनऊ में रिपोर्ट करेंगे। इच्छुक उम्मीदवारोंका रैलीअधिसूचना और प्रवेशपत्र में सूचित सभी दस्तावेजों की मूल प्रतिकलित करने की सलाह दी जाती है। उम्मीदवारों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें और दलालों के शिकार न बनें या किसी अनुचित साधन का सहारा न लें, क्योंकि सेना में चयन पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी है, जिसका उद्देश्य सशस्त्र बलों के लिए उपयुक्त सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार का चयन करना है। रैली से संबंधित किसी भी समस्या का सामना करने वाले उम्मीदवारों को बाद में अस्पष्टता से बचने के लिए भर्ती कार्यालय (मुख्यालय), लखनऊ से इसे स्पष्ट करना चाहिए।

## दिवाली में भी कम नही हुआ डेंगू का डंक,लखनऊ में 2 दिन में मिले 76 केस

लखनऊ। दिवाली में भी डेंगू के मरीजों की संख्या कम नही हुई। 2 दिन में 76 नए संक्रमित मिले हैं। इस दौरान कुछ गंभीर मरीजों को अस्पतालों में भर्ती भी करना पड़ा। हालांकि स्वास्थ्य विभाग लगातार स्थलीय निरीक्षण करने का दावा कर रहा हैं। 2 दिनों में 2200 से ज्यादा घरों पर निरीक्षण के अलावा 4 घरों में लार्वा मिलने नोटिस भी थमाई गई। प्रदेश भर में सबसे ज्यादा मरीज लखनऊ में हैं। राजधानी के पॉश इलाकों में अलीगंज, आलमबाग सहित तमाम रिहायशी कॉलोनी में डेंगू केस मिल रहे हैं। सीएमओ डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया, दिवाली के दिन 39 और अगले दिन 37 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिले हैं। इनमें अलीगंज और आलमबाग में 2 दिन में 10–10 केस मिले हैं। इसके अलावा इंदिरा नगर, चिनहट और गोमती नगर में दोनों दिन में 9–9 मरीज मिले हैं। 13 नवंबर को टुडियागंज में 4, सिल्वर जुबली में 3, रेड क्रॉस में 2, एनके रोड में 3 और मलिहाबाद में 2 मरीज मिले हैं। वही स्वास्थ्य और मलेरिया विभाग की टीमों ने मच्छरजनित स्थितियों के सर्वेक्षण में 4 भवन स्वामियों को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा बांसमंडी चौराहा, अशोक नगर, एफ ब्लॉक राजाजीपुरम सीएमएस स्कूल कैम्पस–3, लाला लाजपत राय वार्ड नियर संगम चौराहा, प्राथमिक विद्यालय बड़ा भरवारा, धनुधा खेड़ा, बालखंडी मार्ग आरडीएसओ, जोन–6 नगर निगम आफिस, कोहिनूर अपार्टमेंट प्रधान मार्केट देवा रोड, सालेह नगर तिराहा नियर पिंक बूथ के आसपास एंटीलार्वा का छिड़काव और फॉगिंग कराया गया।

# पराली जलाने की घटनाओं पर योगी सरकार अलर्ट मोड पर,

## पराली जलाने से रोकने के लिए बड़े पैमाने पर चलेगा अभियान

लखनऊ। सर्दियों में पराली जलाने के कारण होने वाले पॉल्यूशन को लेकर योगी सरकार सजग है। पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए सरकार की ओर से शुरू से तैयारी की गई है। किसी भी सूरत में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जागरूकता अभियान के साथ सरकार ने किसानों में निशुल्क बायोडीकम्पोजर का वितरण किया है तो वहीं फसल अवशेष प्रबंधन के लिए अवशेष प्रबंधन वाले कृषि यंत्र वितरित किए जा रहे हैं। मुख्य सचिव के समक्ष पराली प्रबंधन को लेकर कृषि विभाग की समीक्षा में बताया गया कि एकल कृषि यंत्रों पर 50 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जा रहा है। अब तक 44,363 एकल कृषि यंत्र वितरित किए जा चुके हैं। 2023–24 में 4439 एकल कृषि यंत्र की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। वहीं एफपीओ सहकारी समिति एवं ग्राम पंचायत मद में अब तक कुल 7621 फार्म वितरित किए जा चुके हैं। 2023–24 में 296 को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। गत वर्ष 1322250 बायोडीकम्पोजर वितरित किए गए हैं, जबकि 2023–24 में 17 लाख बायोडीकम्पोजर वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। 2023–24 में अब तक 166600 बायोडीकम्पोजर पूर्ति प्रक्रिया में है। इसके अलावा जनपद स्तर पर गन्ना, बेसिक शिक्षा, राजस्व, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, स्थानीय निकाय, पुलिस एवं परिवहन, कृषि जैसे विभाग के अधिकारियों में समन्वय करके प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी। जनपद में या निकटवर्ती जनपद में स्थापित फसल अवशेष आधारित इकाइयों का प्रचार–प्रसार करके उनमें पराली की आपूर्ति कराना सुनिश्चित किया जा रहा है। ग्राम, न्याय पंचायत, विकास खंड, तहसील, जनपद स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है।

# सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ हजरतगंज थाने में शिकायत

लखनऊ। सपा नेता नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के लगातार सनातन धर्म के खिलाफ बयानबाजी से आक्रोशित अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए हजरतगंज थाने पहुंचे। उनका कहना है, सनातन धर्म और उसके हिन्दू देवी–देवताओं का अपमान करने पर सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके लिए हजरतगंज इंस्पेक्टर से मिलकर लिखित शिकायत की है। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने बताया कि सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार हिंदू धर्म के खिलाफ गलत बोल रहे हैं। उनकी मांग है कि उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो और रासुका लगाई जाए। साथ ही उन्होंने अखिलेश यादव से ऐसे नेता को पार्टी से निष्कासित करने की मांग करते हुए कहा, यदि उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करते हैं तो अखिलेश यादव के बंगले का अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ता घेराव करेंगे। वहीं उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी करने की मांग की है। साथ ही स्वामी प्रसाद पर कानूनी कार्रवाई न होने पर उनके भी बंगले के घेराव करने की बात कही। अखिल भारत हिंदू महासभा के लोगों ने हजरतगंज थाने में स्वामी प्रसाद मौर्य पर कार्रवाई के लिए जमकर नारेबाजी की। इस दौरान उनको सपोर्ट करने वाले सपा मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ भी नारेबाजी हुई। हजरतगंज पुलिस के मुताबिक संगठन की तहरीर मिली है। साक्ष्यों और तहरीर के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

# जल गई है स्किन तो तुरंत करें ये काम, नहीं होगी त्वचा में जलन

गर्म चाय, कॉफी या दूध गिर जाने के कारण त्वचा में बहुत ज्यादा जलन होने लगती है। अक्सर ऐसा होता है कि जब किचन में काम करते हुए भाप या फिर गर्म तेल के छींटे त्वचा पर आ जाते हैं। ऐसे में इसके कारण सारी त्वचा में जलन होने लगती है। त्वचा जल जाने के कारण यह लाल पड़ जाती है और बहुत जलन भी होती है। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं जिनके जरिए आप जलन से राहत पा सकते हैं। आइए जानते हैं...

त्वचा पर कुछ गर्म गिर जाए तो क्या करें?

त्वचा पर जब कोई गर्म भोजन या कोई पेय पदार्थ गिरने से सबसे पहले त्वचा की बाहरी परत ही प्रभावित होती है। इससे त्वचा पर जलन होती है और लाल निशान भी पड़ जाते हैं। इस जलन को पहली डिग्री की जलन या सतही जलन कहते हैं। यदि इस जलन का तुरंत कोई उपाय न किया जाए तो दर्दनाक छाले और फफोले पड़ जाते हैं और स्किन कहीं ज्यादा डैमेज हो जाती है।

अपनाएं ये तरीके

कच्चा आलू

जली हुई जगह पर तुरंत पानी डालें और फिर कच्चा आलू धोकर कटी हुई जगह पर हल्का–हल्का रगड़ें। यदि रगड़ने वाली स्थिति नहीं है तो आप आलू को कद्दूकस करके लगाएं। आलू को त्वचा पर लेप की तरह लगाएं इससे स्किन पर छाले नहीं पड़ेंगे। इससे जलन शांत होगी।

एलोवेरा जेल

घर में यदि एलोवेरा लगाया है तो आप जलन की समस्या पर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। एलोवेरा की ताजा पत्तियां काटें और फिर इसका जेल जले हुए पर लगाएं। इससे आपकी जलन शांत होगी और त्वचा में निशान भी नहीं पड़ेगा।

ठंडा पानी इस्तेमाल करें

जब स्किन जल जाए तो तुरंत नल खोलकर ठंडा पानी डालें। इससे कम से कम 10 मिनट तक लगाएं। इसके बाद त्वचा पर बर्फ जरुर लगाएं इससे स्किन पर ठंडक का अहसास होगा और यह रक्त प्रवाह भी सीमित कर देगी। जिससे समस्या बढ़ सकती है।

शहद

यदि आपको समझ नहीं आ रहा कि स्किन जलने पर क्या करें तो तुरंत शहद लगाएं। इसके लिए शहद को पहले सीधे जले पर लगाएं। दिन में 3–4 बार इस पट्टी को बदल दें।

# शुगर को कंट्रोल करने वाले देसी नुस्खे, एक भी कर लिया तो मिलेगा फायदा

भारत में डायबिटीज यानि शुगर की बीमारी इतनी आम हो गई हैं कि आपको हर 11 में से 1 युवा इस बीमारी से पीड़ित मिल जाएगा। अगर समय रहते ब्लड शुगर लेवल (इसवक `नहंत समअमसे) को कंट्रोल न किया जाए तो रोगी के लिए जानलेवा भी हो सकता है। एक बार डायबिटीज हुई नहीं कि आपको हर चीज नाप–तोल कर खाने की हिदायत दी जाती है और रोजाना की एक गोली भी खाने को मिलती हैं लेकिन क्या डायबिटीज को हम कुछ घरेलू और देसी नुस्खों की बदलौत ठीक कर सकते हैं तो बता दें कि डायबिटीज के कुछ आसान से घरेलू नुस्खों को फॉलो करके इस रोग को कंट्रोल में रखा जा सकता है। खान–पान की कुछ आदतों को बदलकर और कुछ चीजों को रोजाना अपनी डाइट में शामिल कर इस बीमारी को कंट्रोल में किया जा सकता है। चलिए आपको उन नुस्खों के बारे में ही बताते हैं

नीम की पत्तियां

नीम की पत्तियां जितनी कड़वी होती हैं उतनी ही डायबिटीक पेशेंट के लिए फायदेमंद। इसमें फ्लेवोनोइड्स, ट्राइटरपेनोइड्स, एंटीवायरल पदार्थ और ग्लाइकोसाइड्स पाए जाते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल के कंट्रोल करने में मदद करते हैं। आप नीम की पत्तियों का चूर्ण भी बना सकते हैं। बस इसकी पत्तियों को सुखाकर फिर ब्लेंडर की मदद से पीस लें। फिर चूर्ण बनाकर इसका दो बार सेवन करें। आप नीत की पत्तियों का पानी उबाल कर भी पी सकते हैं।

करेले का जूस

हर दिन सुबह–सुबह करेले का जूस पीएं या करेले की सब्जी खाएं तो आप डायबिटीज की बीमारी से बच सकते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है।

जामुन

जामुन और जामुन की गुठली दोनों ही डायबिटीज मरीज के लिए फायदेमंद है। जामुन को काला नमक लगाकर खाएं और इसकी गुठली को सुखाकर, पाउडर बना लें। इस पाउडर को सुबह–शाम दो–दो चम्मच चूर्ण गुनगुने पानी के साथ खाएं।

अदरक

अदरक भी ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन करने का काम करता है। अदरक इंसुलिन को बैलेंस में करता है। एक बर्तन में एक कप पानी और एक इंच अदरक डालकर 5 मिनट तक उबालें। इसे दिन में एक या दो बार पीने से डायबिटीज से छुटकारा मिल सकता है।

मेथी पाउडर

मेथी भी डायबिटीज में काफी प्रभावी मानी जाती है। यह ग्लूकोज की मात्रा को सही करती है और ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने का काम करती है। दो चम्मच मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगोकर रखें और सुबह–सुबह खाली पेट पानी और उसके बीजों का सेवन करें।

एक्सरसाइज

शुगर लेवल कंट्रोल करने में एक्सरसाइज काफी महत्वपूर्ण काम करता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, वॉकिंग, जॉगिंग, स्विमिंग, टेनिस या बैडमिंटन ये सारी चीजें डायबिटीक पेशेंट के लिए बहुत ही फायदेमंद है।

# टाइगर 3 की स्क्रीनिंग के दौरान सलमान के प्रशंसकों ने पटाखे फोड़े

सत्या, सरकार, कंपनी, शिवा और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर प्रशंसित फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने एक थिएटर के अंदर से एक वीडियो साझा किया है, जिसमें बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की नवीनतम रिलीज टाइगर 3 दिखाई जा रही थी। वीडियो में कुछ लोगों को बड़े स्क्रीन पर टाइगर 3 शुरू होते ही पटाखे फोड़ते हुए दिखाया गया है। अन्य लोग, जो पटाखों से डरे हुए थे, उन्हें थिएटर के अंदर छिपने और सुरक्षा के लिए भागते देखा जा सकता है। अन्य वीडियो में सलमान खान के कुछ प्रशंसकों ने थिएटर के अंदर रॉकेट भी दागे।

राम गोपाल वर्मा ने अपने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, और, हमें लगता है कि हम पागल नहीं हैं। इंटरनेट पर कई लोगों ने वीडियो पर नकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सभी के जीवन को खतरे में डालने के लिए प्रशंसकों की आलोचना की। यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान की फिल्म स्क्रीनिंग के दौरान ऐसी घटना हुई हो। सुपरस्टार के पास बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं, जिससे हर बार उनकी फिल्म रिलीज होने पर उत्साह को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है। 2021 में अंतिम द फाइनल ट्रूथ की रिलीज के दौरान प्रशंसकों ने एक थिएटर के अंदर पटाखे फोड़े। सलमान ने सोशल मीडिया पर आते ही इस मामले का संज्ञान लिया और उस समय इस घटना की निंदा की और प्रशंसकों से इसे दोबारा न दोहराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा था, मेरे सभी प्रशंसकों से अनुरोध है कि वे ऑडिटोरियम के अंदर पटाखे न ले जाएं क्योंकि इससे आग लगने का बड़ा खतरा हो सकता है, जिससे आपकी और दूसरों की जान को खतरा हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, "थिएटर मालिकों से मेरा अनुरोध है कि वे सिनेमा के अंदर पटाखे ले जाने की अनुमति न दें और एंट्री प्वाइंट पर उन्हें ऐसा करने से रोकना चाहिए। हर तरह से फिल्म का आनंद लें, लेकिन कृपया इससे बचें, यह मेरा अपने सभी प्रशंसकों से अनुरोध है।

# अक्षय कुमार ने भारतीय सेना के जवानों के साथ मनाई दिवाली

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने भारतीय सेना के जवानों के साथ एक दिन बिताते हुए उनके साथ दीपावली का त्योहार मनाया। अक्षय ने कहा, मैं यहां आकर बहुत उत्साहित हूं। मेरे पिता सेना में सिपाही थे, इसलिए मेरा दिल बचपन से ही सेना से जुड़ा है। वर्दी देखकर मुझे गर्व होता है और मैं यहां आकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं।" अभिनेता ने सेना द्वारा अपनाई गई विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन भी देखा, जिसमें वाटर प्लम तकनीक, विभिन्न आईईडी तकनीक और पुल निर्माण, हेलीपैड निर्माण और विध्वंस जैसी लड़ाकू इंजीनियर गतिविधियां शामिल थी। अक्षय ने सवाल पूछे और राष्ट्र की सुरक्षा में सेना के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी हासिल की। जवानों के साथ बातचीत के दौरान अक्षय ने सेना के साथ अपने गहरे संबंध के बारे में बताया।

# अनिल शर्मा की फिल्म जर्नी में रोहित चौधरी शामिल

गदर 2 का हिस्सा रहे अभिनेता रोहित चौधरी निर्देशक अनिल शर्मा की फिल्म जर्नी में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म में अनुभवी अभिनेता नाना पाटेकर और अनिल शर्मा के बेटे उत्कर्ष शर्मा भूमिकाओं में हैं। जर्नी एक पारिवारिक ड्रामा है। रोहित ने कहा, जैसी कि उम्मीद थी, मैं जर्नी के हिस्से को लेकर बेहद रोमांचित हूं। अनिल शर्मा भारतीय दर्शकों की नब्ज जानते हैं। मुझे स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई और मुझे यकीन है कि जब दर्शक फिल्म देखेंगे तो उन्हें भी यह पसंद आएगी। अनिल शर्मा, सुनील सिरवैया और अमजद अली ने बहुत अच्छी स्क्रिप्ट लिखी है। हाल ही में फिल्म का मुहूर्त समारोह आयोजित किया गया जिसमें नाना पाटेकर और उत्कर्ष शामिल हुए। फिल्म का एक बड़ा हिस्सा वाराणसी में शूट किया जाएगा।

अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित और निर्मित, जर्नी अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# शिल्पा शेट्टी की दिवाली पार्टी में मृणाल ठाकुर, बादशाह ने एक-दूसरे का हाथ थामा, डेटिंग की अफवाहें उड़ी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने हाल ही में एक दिवाली पार्टी की मेजबानी की, जिसमें बी टाउन सेलेब्स शामिल हुए। इस पार्टी की कई तस्वीरें वायरल हुई, लेकिन अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और रैपर बादशाह की खास तस्वीर ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। पार्टी का एक वीडियो, जिसमें मृणाल को रैपर के साथ दिखाया गया है, वायरल हो गया है, जिससे दोनों के एक–दूसरे को डेट करने की अटकलें लगने लगी हैं। वीडियो में मृणाल और बादशाह हाथ पकड़कर शिल्पा की दिवाली पार्टी से बाहर निकलते दिख रहे हैं। रेडिट पर इसे शेयर करते हुए एक शख्स ने लिखा, मृणाल और बादशाह कल शिल्पा की दिवाली पार्टी में, क्या वे डेटिंग कर रहे हैं? जल्द ही, कई लोगों ने क्लिप पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

मृणाल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर बादशाह और होस्ट शिल्पा शेट्टी के साथ उनकी भव्य दिवाली पार्टी की एक तस्वीर भी साझा की। कैप्शन में लिखा दो पसंदीदा।

बादशाह ने इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी रीपोस्ट किया। वीडियो में मृणाल को हरे रंग का एथनिक आउटफिट पहने देखा जा सकता है। वीडियो में एक्ट्रेस के पीछे चल रहे बादशाह को काले कुर्ते में देखा जा सकता है। एक रेडिट यूजर ने लिखा, ष्एक जोड़े के रूप में मैंने उनसे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं की थी। वाह। वास्तव में वाह। दूसरे ने कहा, ष्क्या वह शादीशुदा नहीं है और उनका एक बच्चा भी है? बादशाह की पहली शादी जैस्मिन मसीह से हुई थी। उन्होंने 2020 में तलाक ले लिया। इससे पहले मृणाल तब सुर्खियों में आई थीं जब एक अवॉर्ड शो के दौरान तेलुगु प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद ने उन्हें आशीर्वाद दिया था। अल्लू अरविंद का आशीर्वाद प्रकट होने के लिए जाना जाता है। कार्यक्रम के दौरान अल्लू अरविंद ने अभिनेत्री को उनकी शादी के लिए आशीर्वाद दिया और कामना की थी कि वह शादी के बाद हैदराबाद शहर में बस जाएं। उन्हें सीता रामम के लिए मृणाल को सर्वश्रेष्ठ महिला अभिनेत्री का पुरस्कार देना था। कार्यक्रम में अरविंद ने मृणाल को जल्द शादी करने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा "मुझे उम्मीद है कि उसे जल्द ही एक पति मिल जाएगा। मैं चाहता हूं कि वह हैदराबाद में बस जाएं। तब से मीडिया रिपोर्टों ने अभिनेत्री को एक तेलुगु स्टार से जोड़ा जा रहा है। हालांकि, मृणाल के प्रतिनिधि ने साझा किया था कि अभिनेत्री की शादी अभी तय नहीं हुई है। उन्होंने आईएएनएस को बताया कि ये खबरें निराधार हैं और फिलहाल उनकी एकमात्र प्राथमिकता उनका काम है।

# टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया में नजर आएंगे एल्विश यादव

बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया के एक एपिसोड में प्यार और रिश्तों के बारे में बात करते हुए नजर आएंगे। नोएडा में सांप और सांप के जहर के साथ एक रेव पार्टी को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले एल्विश ने कहा, "किसी ऐसे व्यक्ति का होना जो आपका समर्थन करता हो, महत्वपूर्ण है। सही साथी का चयन वास्तव में आपके जीवन की दिशा को प्रभावित कर सकता है। एक अच्छा साथी एक मजबूत समर्थन प्रणाली की तरह है, जो आपको आवश्यक समर्थन और प्रोत्साहन देकर कठिन समय में आपकी मदद करता है। उन्होंने कहा, किसी ऐसे व्यक्ति का होना जो आपके सपनों और लक्ष्यों पर विश्वास करता हो, आपको सफलता की ओर धकेल सकता है। एल्विश रियलिटी शो टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया में अपनी यात्रा का वर्णन करेंगे। यूट्यूब पर अपने मनोरंजक और प्रासंगिक कंटेंट के लिए जाने जाने वाले एल्विश अपनी ऊर्जा को टेम्पटेशन आइलैंड इंडियाश में लाने के लिए तैयार हैं। टेम्पटेशन आइलैंड इंडिया जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होता है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com

R.N.I.- UPHIN/2012/45127

नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।